तापमान
अधिकतम 43 .0 डिग्री
न्यूनतम 26 .0 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार 28 जून 2026

12 कुर्बानपुर में विवादित जमीन पर प्रशासन के कब्जे...

12 बरसाती सीजन से पहले नालों की सफाई का संपदा...

खबर संक्षेप

सूने घर में घुसकर चुराए लाखों रुपये के आभूषण

यमुनानगर। जगाधरी की गंगानगर कॉलोनी में चोरों ने सूने घर में घुसकर लाखों रुपये के सोने व चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।जानकारी के अनुसार जगाधरी की गंगानगर कॉलोनी निवासी अंकुश ने शहर जगाधरी पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह 13 मई को परिवार के साथ किसी काम से घर से बाहर गया था। 22 जून को जब वह वापस लौटे तो घर का सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर बाइक, आभूषण गायब मिले। जिनकी कीमत करीब डेढ़ लाख रुपए है।

शादी का झांसा देकर किशोरी को किया अगवा

यमुनानगर। शहर के इंडस्ट्रियल एरिया में युवक ने शादी का झांसा देकर किशोरी को अगवा कर लिया। जानकारी के अनुसार शहर के इंडस्ट्रियल एरिया निवासी व्यक्ति ने शहर यमुनानगर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी 14 वर्षीय लड़की 25 जून को सुबह 11 बजे किसी काम से घर से बाहर गई थी मगर उसके बाद उसकी लड़की घर नहीं लौटी। काफी तलाश करने के बाद भी उसका कुछ भी पता नहीं चला। जांच के दौरान उन्हें मालूम हुआ कि उसकी लड़की को सुशील नामक युवक शादी का झांसा देकर अगवा करके ले गया है।

प्रतिबंधित दवाइयों व हेरोइन के साथ तस्कर गिरफ्तार

यमुनानगर। जिला पुलिस की अपराध अन्वेषण शाखा वन पुलिस की टीम ने गांव फतेहपुर पुल के पास से एक नशातस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से प्रतिबंधित दवाई अल्प्राजोलम की 825 नशीली गोलियां व 31 ग्राम हेरोइन बरामद की है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसे अदालत में पेश किया। जहां से उसे रिमांड पर लिया गया है। जानकारी के अनुसार टीम के इंचार्ज राजकुमार ने बताया कि उनकी टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि फतेहपुर पुल से ताजकपुर रोड पर एक व्यक्ति प्रतिबंधित दवाइयां लेकर घूम रहा है। टीम ने मौके पर जाकर व्यक्ति को गिरफ्तार किया।

जीटी रोड पर सड़क हादसे में युवक की मौत

कुरुक्षेत्र। जीटी रोड पर शुक्रवार देर रात हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। हादसा शाहाबाद से पिपली रोड पर मन्नत हवेली होटल के पास हुआ। युवक रात करीब एक बजे जीटी रोड पार कर रहा था। इसी दौरान किसी तेज रफ्तार वाहन ने उसे कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद आरोपी ड्राइवर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू की। मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस उसकी पहचान कराने की कोशिश कर रही है। इस युवक की बाजू पर अलग-अलग टैटू बने हुए हैं।

ट्रैक्टर ट्राला की चपेट में आने से महिला की मौत

रादौर। अनाजमंडी चौक पर सड़क पार करते समय ट्रैक्टर ट्राला की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी। राजेंद्र ने बताया कि उसकी चाची सुनीता सुबह बैंक से अपनी पेंशन लेने गई थी। वह जब अनाजमंडी चौक पर पैदल सड़क पार कर रही थी तो ट्रैक्टर ट्राले ने उसे चपेट में ले लिया।

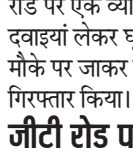

मौसम में उमस व गर्मी की तपिश से झुलसे लोग, छबील ने दिलाई राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

पिछले एक पखवाड़े से पड़ रही तेज गर्मी की तपिश शनिवार को भी जारी रही। आलम यह रहा कि सुबह होते ही आसमान से आग टपकने लगी और मौसम में गर्मी की तपिश और उमस बनने से लोग बेहाल हो गए। गर्मी की तपिश को देखते हुए श्रद्धालुओं ने शहरी व ग्रामीण इलाकों में जगह-जगह लगाई गई छबीलों पर पहुंचकर ठंडे और मीठे जल को पीकर अपनी प्यास को बुझाकर गर्मी से राहत पाने का प्रायस किया।

सूर्य के निकलते ही आसमान से बरसने लगी आग

शनिवार सुबह से ही गर्मी का प्रकोप बढ़ने लगा। इस दौरान अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम 30 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। वहीं, मौसम में उमस व तपती गर्मी का असर और भी तेज हो गया। जिस कारण बाजार भी सुनसान दिखाई दिए। ग्रामीण इलाकों में तो और भी ज्यादा परेशानी हुई। क्योंकि दिन भर बिजली नहीं आने से ग्रामीण इलाकों में लोग पेड़ों की छांव या फिर हाथों के पंखे झोलने पर मजबूर रहे।

छबीलों पर पहुंचकर लोगों ने बुझाई मीठे जल से प्यास

शनिवार को जहां गर्मी ने लोगों के बेहाल किया, वहीं, स्वयं सेवी संस्थाओं व श्रद्धालुओं ने शहरी और ग्रामीण इलाकों के अलावा मार्गों पर भी छबीलें लगाकर लोगों को ठंडा मीठा जल पिलाकर उन्हें गर्मी से राहत पहुंचाने का कार्य किया। इस दौरान विजय पाल, महीपाल, सुरेश व महेंद्र आदि ने बताया कि पिछले कई दिन से मौसम में तापमान बढ़ने से लोग तरबतर हो रहे हैं। पिछले कई दिन से जगह-जगह छबीलें लगाकर लोगों को मीठा जल पिलाकर गर्मी से राहत दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। मौके पर मुकेश, विकास, प्रमोद, सूरज, सौरभ कुमार, आनंद कुमार व गौरव आदि मौजूद थे।

तेज धूप और गर्म हवाओं से जनजीवन प्रभावित, बिजली कटों ने बढ़ाई परेशानी

कुरुक्षेत्र। जिले में शनिवार को भी भीषण गर्मी और उमस ने लोगों का जनजीवन प्रभावित किया। सुबह से ही तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लोग परेशान नजर आए। दिन चढ़ने के साथ उमस बढ़ती गई, जिससे लोग दिनभर पसीने से तरबतर रहे। गर्मी के साथ-साथ बार-बार हो रही बिजली कटौती ने भी लोगों की परेशानियों में इजाफा कर दिया। बिजली गुल होने से घरों में पंखे, कूलर और एयर कंडीशनर बंद हो गए, जिससे लोगों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ा। खासकर छोटे बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को सबसे अधिक परेशानी हुई। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को जिले का अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में नमी अधिक होने के कारण उमस ने लोगों को बेहाल कर दिया।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने दी करनाल शहर को बड़ी सौगात

रेलवे स्टेशन पर अंडरपास को मंजूरी जल्द एस्केलेटर-लिफ्ट लगाने की तैयारी

संगठनात्मक बैठक में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कार्यकर्ताओं को दिया जनसेवा का मंत्र, जनसंपर्क अभियान तेज करने का किया आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

भाजपा के जिला कार्यालय कर्ण कमल में शनिवार को केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल की अध्यक्षता में संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन विस्तार, आगामी कार्यक्रमों, जनसंपर्क अभियानों और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विस्तार से चर्चा हुई।कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने और आमजन से लगातार संवाद बनाए रखने का आह्वान किया गया। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए समर्पित भाव से कार्य करना ही पार्टी की प्राथमिकता है। उन्होंने जनसंपर्क अभियानों को और अधिक प्रभावी बनाकर समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंच सुनिश्चित करने पर जोर दिया। मीडिया से बातचीत के दौरान मनोहर लाल ने कहा कि स्टेशन के नजदीक अंडरपास को मंजूरी मिल चुकी है। जबकि एस्केलेटर और लिफ्ट लगाने का प्रस्ताव भी विचाराधीन है। इन सुविधाओं के लागू होने से यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल शुक्रवार रात ट्रेन से करनाल पहुंचे थे। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के कथित वायरल वीडियो पर उन्होंने कहा कि यह जांच का विषय है और पहले यह स्पष्ट होना जरूरी है कि वीडियो की वास्तविकता क्या है, उसकी जांच किस प्रकार की जा रही है तथा संबंधित एजेंसियां इस मामले में क्या कदम उठा रही हैं। इस मुद्दे को तथ्यों के आधार पर ही देखा जाना चाहिए।

करनाल। बैठक को संबोधित करते केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल फोटो : हरिभूमि

अंडरपास को मिल चुकी है स्वीकृति : मनोहर

मनोहर लाल ने बताया कि रेलवे स्टेशन का संबंधित अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया जा चुका है और अंडरपास निर्माण को मंजूरी भी मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि अंडरपास बनने से यात्रियों, विशेषकर बुजुर्गों को बड़ी राहत मिलेगी, क्योंकि फुटओवर ब्रिज पर चढ़ने-उतरने में उन्हें कठिनाई का सामना करना पड़ता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यदि स्टेशन पर एस्केलेटर अथवा लिफ्ट की सुविधा भी स्वीकृत हो जाती है तो यात्रियों की आवाजाही और अधिक सुगम हो जाएगी।

राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण में कार्रवाई जरूरी

राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले में हुई गिरफ्तारियों और चंपत राय के इस्तीफे की मांग से जुड़े सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मामले की जांच और कार्रवाई उत्तर प्रदेश पुलिस कर रही है। उन्होंने कहा कि सामने आई घटना दुर्भाग्यपूर्ण है और दोषियों के खिलाफ नियमानुसार उचित कार्रवाई होनी चाहिए।

बुनियादी सुविधाओं के विस्तार पर रहेगा जोर

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि करनाल में आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। रेलवे स्टेशन पर प्रस्तावित अंडरपास, एस्केलेटर और लिफ्ट जैसी सुविधाएं भी इसी दिशा में महत्वपूर्ण पहल हैं, जिनसे यात्रियों को बेहतर और सुविधाजनक यात्रा अनुभव मिल सकेगा।

रद्द पावर ऑफ अटॉर्नी से बेटे ने हड़पी 755 गज जमीन

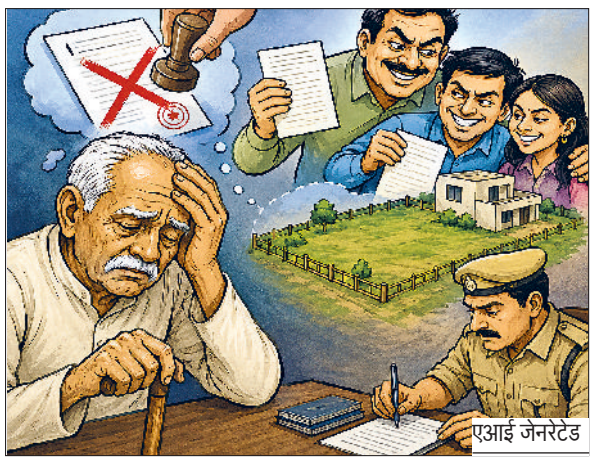

एआई जेनरेटेड

- जांच के बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ दर्ज किया केस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

महेश नगर थाना क्षेत्र में एक बुजुर्ग पिता ने बेटे और पोता-पोती पर रद्द पॉवर ऑफ अटार्नी से 755 गज जमीन हड़पने का आरोप लगाया है। पुलिस ने बुजुर्ग की शिकायत पर तीनों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बुजुर्ग का आरोप है कि उनके बेटे और पोता-पोती ने एक ऐसी पॉवर ऑफ अटार्नी का इस्तेमाल किया, जिसे वह 11 साल पहले ही रद्द कर चुके थे।महेश नगर के 87 वर्षीय ओमप्रकाश सैनी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वर्ष 2005 में उन्होंने अपने बड़े बेटे सुशील कुमार सैनी के नाम एक जनरल पॉवर ऑफ अटार्नी करवाई थी। वर्ष 2015 में जब उन्हें बेटे की नीयत पर शक हुआ, तो उन्होंने 5 जून 2015 को तहसील कार्यालय में जाकर उस पॉवर ऑफ अटार्नी को रद्द करवा दिया था। बुजुर्ग का आरोप है कि मार्च महीने में उन्हें पता चला कि उनके बेटे सुशील कुमार ने साजिश रचकर रद्द हो चुकी 2005 की पावर ऑफ अटार्नी का इस्तेमाल करते हुए 13 मार्च को उनकी बब्याल गांव स्थित जमीन को अपने बच्चों (पुत्र सौरभ सैनी और पुत्री शगुन सैनी) के नाम करवा लिया। इस दौरान उन्होंने दो अलग-अलग विलेखों (सेल डीड और ट्रांसफर डीड) के जरिए इस धोखाधड़ी को अंजाम दिया। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस की मानें तो आरोपियों को जल्द ही काबू किया जाएगा। इस मामले के संदर्भ में पुलिस प्रशासन ने व्यापक रूप से जरूरी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने आश्वासन दिया कि मामले में संलिप्त सभी आरोपियों को जल्द से जल्द पकड़ा जाएगा।

अधोया में ऑटो की टक्कर से राहगीर की मौत केस

बराड़ा। गांव अधोया में शनिवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की जान चली गई। तेज रफ्तार ऑटो की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हुए कुलदीप सिंह ने अस्पताल पहुंचने से पहले ही दम तोड़ दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शनिवार सुबह करीब नौ बजे कुलदीप सिंह सड़क पार कर रहे थे। इसी दौरान तेज गति से आ रहे एक ऑटो ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वह कई फीट दूर सड़क पर जा गिरे और उनके सिर समेत शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। हादसे के तुरंत बाद आसपास मौजूद ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए घायल कुलदीप सिंह को निजी वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। हालांकि चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत की सूचना मिलते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। उनकी पत्नी और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है।

विदेश भेजने पर 15.92 लाख की धोखाधड़ी में महिला गिरफ्तार

कुरुक्षेत्र। पुलिस अधीक्षक चन्द्र मोहन के मार्गदर्शन में आर्थिक अपराध शाखा द्वारा विदेश भेजने के नाम पर लाखों रुपये की धोखाधड़ी के मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। यह मामला दिसंबर 2025 में थाना इस्माईलाबाद में दर्ज किया गया था। मामले की जांच के दौरान पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर 26 जून 2026 को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि अमीरचंद कॉलोनी, ठसका रोड, इस्माईलाबाद निवासी दर्शन लाल ने शिकायत दी थी कि उसके पुत्र पवन कुमार को कनाडा भेजने का झांसा देकर सुखवंत सिंह, उसकी पत्नी गुरविन्द्र कौर व उनके साथी जयपाल ने वर्ष 2023 से विभिन्न किश्तों में करीब 15.92 लाख रुपये ठग लिए। आरोपियों ने पीड़ित का पासपोर्ट अपने पास रख लिया तथा विदेश भेजने के नाम पर फर्जी एयर टिकट भी उपलब्ध करवाई। निर्धारित तिथि पर पीड़ित के दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचने से पहले ही आरोपियों ने तकनीकी खराबी का बहाना बनाकर उसे वापस बुला लिया।

सरकार का तोहफा, खेल ग्रेडेशन नीति में बदलाव से खिलाड़ियों को मिलेगा लाभः पंवार

- स्टेट गेम में भाग लेने वालों को सरकारी नौकरी में मिलेगा लाभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पानीपत। प्रदेश के पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार फोटो : हरिभूमि

हरियाणा ओलंपिक संघ के महासचिव एवं हरियाणा के पंचायत एवं विकास मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने प्रदेश सरकार द्वारा खेल ग्रेडेशन नीति में किए गए महत्वपूर्ण संशोधन का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी तथा खेल मंत्री गौरव गौतम का आभार व्यक्त किया है। कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने खिलाड़ियों के हित में एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है। अब हरियाणा स्टेट गेम्स में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को भी खेल ग्रेडेशन का लाभ मिलेगा। इससे उन्हें सरकारी नौकरियों सहित अन्य अवसरों में भी लाभ प्राप्त होगा। हरियाणा स्टेट गेम्स का आयोजन हरियाणा ओलंपिक संघ द्वारा किया जाता है। उन्होंने कहा कि यह फैसला हरियाणा के हजारों खिलाड़ियों के लिए बेहद लाभकारी सिद्ध होगा। इससे खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के अधिक अवसर मिलेंगे और युवाओं का खेलों के प्रति रुझान भी बढ़ेगा। यह निर्णय प्रदेश में खेल संस्कृति को और अधिक मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे उन्हें सरकारी नौकरियों सहित अन्य अवसरों में भी लाभ प्राप्त होगा।

एचटेट केंद्रों के 200 मी दायरे में धारा 163 लागू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

एचटेट 2025 परीक्षा को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए हैं। उपायुक्त एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ.हरीश कुमार वशिष्ठ ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता बीएनएसएस 2023 की धारा 163 के तहत आदेश जारी करते हुए जिले के सभी परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में पांच या उससे अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने तथा हथियार लेकर आने पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसके साथ ही परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में संचालित सभी फोटोस्टेट की दुकानों का संचालन भी परीक्षा अवधि के दौरान प्रतिबंधित रहेगा। उपायुक्त द्वारा जारी आदेश के अनुसार हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा 4 और 5 जुलाई को आयोजित होने वाली हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा के दौरान कानून.व्यवस्था बनाए रखने, परीक्षा की गोपनीयता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने तथा किसी भी प्रकार की अव्यवस्था को रोकने के लिए यह निर्णय लिया गया है। उपायुक्त ने सभी अभ्यर्थियों, अभिभावकों और आमजन से प्रशासन के निर्देशों का पालन करने तथा परीक्षा को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में सहयोग देने की अपील की।

परिवहन मंत्री विज का तोहफा, पंखे व लाइटों से सुसज्जित

अंबाला छावनी में 17 बस क्यू सेल्टर तैयार, यात्रियों को सुविधा

शहर में 24 बस क्यू सेल्टर किए जाने है तैयार, शेष सात पर निर्माण कार्य जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

परिवहन मंत्री अनिल विज ने कहा कि बसों में सफर करने वाले यात्रियों को सुविधाएं मुहैया कराने के लिए वह कृत संकल्प है। इसी क्रम में अंबाला छावनी में लोकल बस सेवा के लिए "17 नए बस क्यू शेल्टर" का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है।

विज ने कहा कि तपती धूप, गर्मी व बरसातों में बसों की इंतजार करने के लिए यात्रियों को कोई परेशानी न हो इसीलिए अंबाला छावनी के विभिन्न स्थानों पर 24 बस क्यू शेल्टर का निर्माण किया जा रहा है जिनमें से 17 का कार्य पूरा कर लिया गया है जबकि शेष सात स्थानों पर भी बस क्यू शेल्टर जल्द बनकर तैयार होंगे। विज ने बताया कि बसों की इंतजार करने के लिए बस क्यू शेल्टर में बैठने की व्यवस्था है तथा इसके अलावा यहां पंखे, लाइटें और बसों का टाइम टेबल भी लगाया गया है जिससे यात्रियों को बसों के आने-जाने का पूरा विवरण मिलेगा। उन्होंने बताया कि लोकल बस सेवा अंबाला छावनी के लिए बेहद प्रभावशाली साबित हो रही है और इसी क्रम में बस क्यू शेल्टर यात्रियों को सुविधा प्रदान करेंगे।

अंबाला। नए बनें बस क्यू शेल्टर का दृश्य।

इन स्थानों पर शेल्टर बनकर तैयार

परिवहन मंत्री अनिल विज ने बताया कि कैपिटल चौक, टुंडला, डिफेंस कालोनी, कलरहेड़ी, सुंदर नगर, मच्छौंडा, शाहपुर, बोह, सिविल अस्पताल अंबाला छावनी के निकट, सुभाष पार्क, बीडी फ्लोर मील, हाथीखाना मंदिर, रंगिया मंडी चौक, नन्हेड़ा, एसडी कॉलेज, बब्याल और दिलीपगढ़ में बस क्यू शेल्टर तैयार हो चुके हैं। शेष सात स्थानों पर जल्द कार्य पूरा किया जाएगा।

चिंता में ग्रामीण : बरसात के दिनों में यमुना नदी ढाती है कहर, किनारे बसे कई गांवों में भर जाता है पानी

सिर पर आ पहुंचा बाढ़ का खतरा और रोकथाम के इंतजाम अधूरे

बरसात में गुमथला संधाला, संधाली लालछप्पर, जठलाना पोबारी पर मंडराता है बाढ़ का खतरा

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रादौर

बारिश का मौसम शुरू होने में अब मात्र कुछ ही दिन शेष हैं। मगर अभी तक यमुना नदी के किनारों पर खासकर जठलाना क्षेत्र में बाढ़ रोकथाम के इंतजाम पूरे नहीं हुए हैं। जिसकी वजह से बाढ़ग्रस्त इलाके के ग्रामीण परेशान हैं। लोगों का कहना है कि यदि बरसात शुरू होने से पहले बाढ़ रोकथाम के पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए तो क्षेत्र में नदी भारी तबाही मचा सकती है। उधर, एसडीएम रादौर नरेंद्र कुमार ने अन्य अधिकारियों के साथ शनिवार को पोबारी के निकट यमुना पर चल रहे बाढ़ राहत कार्यों का निरीक्षण किया।

दलीप सिंह, संजीव, गुलाब सिंह, रविंद्र सिंह, सुदेश व राजबीर आदि का कहना है कि बाढ़ रोकथाम के इंतजाम अभी पूरे नहीं हुए हैं। बारिश के दिनों में यमुना नदी के साथ लगते गांव गुमथला, संधाला, संधाली, लालछप्पर, जठलाना, पोबारी सहित कई गांवों के लोगों के दिलों की धड़कनें तेज हो जाती हैं। बरसात में यमुना नदी में उफान आने से इन गांवों में बाढ़ का खतरा बन जाता है। गत वर्षों में यमुना नदी की बाढ़ में कई गांव के किसानों की सैकड़ों एकड़ भूमि यमुना में समा गई थी। जिसकी वजह से कई किसान भूमिहीन हो गए। उधर सिंचाई विभाग के अधिकारियों का कहना है कि बाढ़ रोकथाम के इंतजाम किए जा रहे हैं और उन्हें समय रहते पूरा कर लिया जाएगा।

यमुनानगर के गांव पोबारी में बाढ़ राहत कार्यों का निरीक्षण करते हुए एसडीएम नरेंद्र कुमार। फोटो : हरिभूमि

एसडीएम ने बाढ़ रोकथाम के इंतजामों का किया निरीक्षण

एसडीएम रादौर नरेंद्र सिंह ने शनिवार को गांव पोबारी में किए जा रहे बाढ़ राहत कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर जाकर जितना भी पत्थर स्टैकिंग लगा हुआ था। वह चेक किया। पत्थर की क्वांटिटी व गुणवत्ता पर भी स्पेशल ध्यान दिया। एसडीएम ने ठेकेदार को 30 जून तक कार्य को पूरा करने के निर्देश दिए। काम समय पर पूरा न होने पर कानूनी कार्रवाई करने की चेतावनी दी। इस अवसर पर एसडीओ सिंचाई विभाग जसविंदर हुड्डा, जेई नवल किशोर, सरपंच प्रतिनिधि मोहित राणा, मोमिन व नूरुद्दीन आदि मौजूद रहे।

कम है समय, बचाव कार्यों में लाएं तेजी : उपायुक्त

सिंचाई व अन्य संबंधित विभाग के अधिकारियों की बैठक में उपायुक्त ने दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▸▸| यमुनानगर

जिले में संभावित बाढ़ के खतरों से निपटने के लिए जिला सचिवालय स्थित उपायुक्त कार्यालय में सिंचाई विभाग व अन्य संबंधित विभाग के अधिकारियों की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त प्रीति ने की। उन्होंने सिंचाई विभाग व संबंधित विभाग के अधिकारियों को बाढ़ बचाव के लिए किए जा रहे इंतजामों में तेजी लाकर समय रहते पूरा करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने जिले के सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि वह अपने अपने अधिकार क्षेत्र के नालों व ड्रेन के सफाई कार्य का सतत निरीक्षण करें। एडीसी व सिंचाई विभाग के एसई फ्लड कार्यों की विजिट करें और जहां जहां फ्लड क्षेत्र में पत्थरों की आवश्यकता है वहां पर समय रहते पत्थर मंगवाएं। उन्होंने एसडीएम को फिजिकल वेरीफिकेशन करके रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उपायुक्त प्रीति ने निर्देश दिए कि बाढ़ संभावित इलाकों लापरा, पोबारी, घोड़ो पिपली, जोधपुर, ओदरी, मंडौली, पिपली माजरी, बेलगढ़ आदि गांवों में कमेटी बनाकर रिपोर्ट लें और गांवों के सरपंच भी अपने गांवों के कार्यों की रिपोर्ट संबंधित एसडीएम और जारी हेल्पलाइन नंबर पर फोटो एवं वीडियो लोकेशन सहित व्हाट्सएप करें।

यमुनानगर में बाढ़ बचाव को लेकर आयोजित बैठक में अधिकारियों को दिशा निर्देश देते हुए उपायुक्त प्रीति। फोटो : हरिभूमि

अतिरिक्त मशीन लगाकर समय से पूरा कराएं कार्य

उपायुक्त ने सिंचाई विभाग को बाढ़ रोकथाम के लिए किए जा रहे इंतजामों में मशीनरी बढ़ाए जाने के निर्देश दिए। गाद निकासी की प्रक्रिया तेज की जाए। उन्होंने सिंचाई विभाग को निर्देश दिए कि अपने बाढ़ बचाओं कार्यों एवं प्रबंधों को समय रहते पूरा करें। मौके पर जगाधरी के एसडीएम विश्वनाथ, एसडीएम व्यासपुर डॉ. कुलदीप सिंह, एसडीएम छछरौली जसपाल सिंह गिल, एसडीएम रादौर नरेन्द्र कुमार, डीआईपीआरओ डॉ. मनोज कुमार, सिंचाई विभाग के अधीक्षक अभियंता प्रवीण गुप्ता समेत सिंचाई विभाग के सभी कार्यकारी अभियंता मौजूद रहे।

निर्बाध यातायात की कवायद : रोड पर खड़े ठेले खाली पड़े स्थानों पर कराए गए शिफ्ट

सड़क किनारे दिखीं रेहड़ियां तो नोटिस न चेतावनी, नगर निगम सीधे करेगा जब्त

मुख्य सफाई निरीक्षक हरजीत सिंह के नेतृत्व में सड़क किनारे खड़ीं रेहड़ियों के खिलाफ चला अभियान

हरिभूमि न्यूज ▸▸| यमुनानगर

नगर निगम यमुनानगर जगाधरी प्रशासन द्वारा शनिवार को शहर में सड़कों पर खड़ीं रेहड़ियों व फड़ियों के खिलाफ अभियान चलाया गया। इन्हें सड़क किनारे से हटाकर डीएवी डेंटल कॉलेज के पास खाली पड़ी जमीन में शिफ्ट किया गया।

अभियान का नेतृत्व नगर निगम के मुख्य सफाई निरीक्षण हरजीत सिंह ने किया। जो वेंडर मौके पर मिले उनके ठेले व रेहड़ियां खाली पड़ी भूमि पर शिफ्ट करवाया गया। दूसरी ओर लावारिश मिलीं रेहड़ियों को निगम की टीम ने जब्त कर लिया। मौके पर हरजीत सिंह ने कहा कि रेहड़ी वालों को चेतावनी दे दी गई है कि वे सड़क किनारे दुकान न लगाएं। इसके बाद भी नियम का उल्लंघन हुआ तो नगर निगम प्रशासन न तो चेतावनी देगा और न ही नोटिस दिया जाएगा। सीधे रेहड़ी और सामान जब्त किए जाएंगे। साथ ही ऐसे रेहड़ी वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

निगम के आयुक्त महाबीर प्रसाद के आदेश पर नगर निगम की टीम में शामिल सफाई निरीक्षक प्रदीप दहिया, सफाई निरीक्षक सचिन कांबोज आदि मुख्य सफाई निरीक्षक हरजीत सिंह के नेतृत्व में होम गार्ड के जवानों के साथ सबसे पहले माडल टाउन पहुंची और अभियान शुरू किया। इस दौरान माडल टाऊन में सड़क किनारे खड़ी रेहड़ियों को टीम ने हटाकर शहर के डीएवी डेंटल कॉलेज के पास पड़ी खाली भूमि पर शिफ्ट कर दिया। इसके बाद नगर निगम की टीम ने शहर के अन्य स्थानों पर पहुंचकर रेहड़ियों व फड़ियों को सड़क किनारे से हटवाकर खाली भूमि में शिफ्ट कराना शुरू किया।

मुख्य सफाई निरीक्षक हरजीत सिंह ने कहा कि सड़क सुरक्षा और यातायात में बाधा डालने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। नेहरू पार्क रोड और उसके आसपास का क्षेत्र अब पूरी तरह खाली करा दिया गया है। सभी रेहड़ी व फड़ी विक्रेताओं को चेतावनी दी गई है कि यदि भविष्य में किसी ने भी नेहरू पार्क या नेहरू पार्क रोड पर दोबारा दुकान या रेहड़ी लगाने की कोशिश की तो नगर निगम उनसे सख्ती से निपटेगा।

यमुनानगर। मॉडल टाउन में नेहरू पार्क रोड से रेहड़ियों को खाली पड़े स्थानों पर शिफ्ट करती नगर निगम की टीम। फोटो : हरिभूमि

■ **मुख्य सफाई निरीक्षक बोले दोबारा सड़क किनारे रेहड़ी लगाने वालों के खिलाफ होगी कानूनी कार्रवाई**

महाराजा रणजीत सिंह की पुण्यतिथि मनाई

रादौर। जाट छात्रसंघ व जाटसभा रादौर के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को रादौर के जाट नगर में महाराजा रणजीत सिंह की 188 वीं पुण्यतिथि मनाई गई। कार्यक्रम में छात्रसंघ के प्रधान साहिल सिंह बालियान व जाटसभा रादौर के प्रधान एडवोकेट सुरेशपाल बंचल के नेतृत्व में युवाओं ने महाराजा रणजीत सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। जाट छात्र संघ के प्रधान साहिल सिंह बालियान ने बताया कि महाराजा रणजीत सिंह एक महान योद्धा थे। जिनका साम्राज्य अफगानिस्तान में कंधार तक फैला हुआ था। उनके जीते जी अंग्रेज उनके साम्राज्य पर कब्जा नहीं कर पाए। उन्होंने बताया कि महाराजा रणजीत सिंह सिख साम्राज्य के राजा थे। वह शेर ए पंजाब के नाम से प्रसिद्ध हैं। महाराजा रणजीत एक ऐसी व्यक्ति थे। जिन्होंने न केवल पंजाब को एक सशक्त सूबे के रूप में एकजुट रखा। बल्कि अपने जीते जी अंग्रेजों को अपने साम्राज्य के पास भी नहीं फटकने दिया। रणजीत सिंह का जन्म 1780 में गुजरांवाला (अब पाकिस्तान) संधावालिया जाट महाराजा महा सिंह के घर हुआ था। उन दिनों पंजाब पर सिखों और अफगानों का राज चलता था। जिन्होंने पूरे इलाके को कई मिसलों में बांट रखा था। रणजीत के पिता महा सिंह सुकरचकिया मिसल के कमांडर थे। पश्चिमी पंजाब में स्थित इस इलाके का मुख्यालय गुजरांवाला में था। छोटी सी उम्र में चेचक की वजह से महाराजा रणजीत सिंह की एक आंख की रोशनी जाती रही। महज 12 वर्ष के थे जब पिता चल बसे और राजपाट का सारा बोझ इन्हीं के कंधों पर आ गया। 12 अप्रैल 1801 को रणजीत ने महाराजा की उपाधि ग्रहण की। उन्होंने बताया कि गुरु नानक के एक वंशज ने उनकी ताजपोशी संपन्न कराई। उन्होंने लाहौर को अपनी राजधानी बनाया और सन 1802 में अमृतसर की ओर रूख किया। महाराजा रणजीत ने अफगानों के खिलाफ कई लड़ाइयां लड़ीं और उन्हें पश्चिमी पंजाब की ओर खदेड़ दिया। महाराजा रणजीत सिंह जैसा यौद्धा आज तक पैदा नहीं हुआ है। हमें उन पर हमेशा गर्व रहेगा।

मादक पदार्थों की बिक्री करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई : डॉ. सिंह

हरिभूमि न्यूज ▸▸| यमुनानगर

व्यासपुर के उपमंडल प्रशासन द्वारा नशा मुक्ति अभियान के तहत एसडीएम कार्यालय में अधिकारियों व कर्मचारियों की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता एसडीएम डॉ. कुलदीप सिंह ने की। उन्होंने प्रतिबंधित मादक पदार्थों का भंडारण व बिक्री करने वालों पर कार्रवाई करने की चेतावनी दी।

उपमंडल अधिकारी(ना) डॉ. कुलदीप सिंह ने अधिकारियों व कर्मचारियों समेत आम नागरिकों को नशीले पदार्थों तथा अन्य व्यसनों से दूर रहने के लिए आहवान किया। उन्होंने सबी से नशा मुक्त समाज के निर्माण में सहयोग देने के लिए अनुरोध किया। एसडीएम डॉ. कुलदीप सिंह ने कहा कि नशे के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत दुकानों पर प्रतिबंधित मादक पदार्थों के भंडारण एवं बिक्री के विरुद्ध छापामारी की जाएगी तथा नियमों के अनुसार दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। मौके पर एसएमओ डॉ. शमा परवीन ने कहा कि नशे की समस्या केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। बल्कि इसका सामाजिक एवं पारिवारिक जीवन पर भी गंभीर प्रभाव पड़ता है।

यमुनानगर। उपमंडल व्यासपुर में नशा मुक्ति को लेकर हुई अधिकारियों की बैठक में दिशा निर्देश देते एसडीएम डॉ. कुलदीप सिंह। फोटो : हरिभूमि

देश भर में विवादों का सौहार्दपूर्ण तरीके से किया जाएगा निपटान

21 से 23 अगस्त तक लगेगी विशेष लोक अदालत : कादियान

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम सुमित्रा कादियान ने दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| यमुनानगर

उच्चतम न्यायालय द्वारा 21 अगस्त से 23 अगस्त तक तीन दिवसीय विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस बात की जानकारी शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम सुमित्रा कादियान ने दी।

प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम सुमित्रा कादियान ने नागरिकों को आहवान किया कि यदि वह माननीय उच्चतम न्यायालय के समक्ष लंबित अपने मामलों का निपटारा करवाना चाहते हैं तो अपने मामले को इस विशेष समाधान समारोह में सूचीबद्ध कराएं। ऐसा करने के लिए कोई भी व्यक्ति अपने निकटतम जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से संपर्क कर सकता है। इसके बाद वह अपने मामले को विशेष लोक अदालत के लिए सूचीबद्ध करा सकता है। प्रशिक्षित मध्यस्थ, पक्षकारों को सौहार्दपूर्ण समझौता कराने में सहायता हेतु पूर्व लोक अदालत बैठकें आयोजित की जाएंगी।

सीजेएम सुमित्रा कादियान।

इन मामलों का करवा सकते हैं निपटान

प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम सुनित्रा कादियान ने बताया कि उच्चतम न्यायालय में आयोजित होने वाले विशेष समाधान समारोह में विचार किए जाने वाले चैक से संबन्धित मामले (एनआई एक्ट),धन वसूली मामले, अपराधिक मामले जिनमे कानूनी तौर पर समझौता किया जा सकता है, एक्सीडेंट क्लेम केस (एमए सीटी),श्रम एवं रोजगार संबन्धी विवाद, पारिवारिक विवाद मामले, किराया संबंधी मामले, स्थानान्तरण याचिकाएं (सिविल एवं आपराधिक), भरण पोषण संबंधित मामले, भूमि अधिग्रहण और भूमि विवाद मामले, सेवाएं संबंधी मामले, राजस्व मामले व अन्य मामले हो सकते हैं। सीजेएम ने बताया कि अधिवक्ता और पक्षकार हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की वेबसाइट पर हरियाणा के अधिकार क्षेत्र में उत्पन्न संदर्भित मामलों की सूची देख सकते हैं। यदि आपका मामला पहले से संदर्भित मामलों में शामिल नहीं है तो आप गूगल फार्म के माध्यम से जो कि वेबसाईट पर उपलब्ध है। विवरण जमा करके अपने मामले को संदर्भित करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि त्वरित और प्रभावी निपटान, आपसी समझौता सरल प्रक्रिया, अंतिम और बाध्यकारी निर्णय समाधान समारोह के लाभ है। अधिक जानकारी के लिए अधिवक्ता एवं पक्षकार अपने निकटतम जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से सम्पर्क कर सकते हैं।

न्यूज डायरी

गुरूद्वारा सिंह सभा ने मीठे जल की छबील लगाई

रादौर। गुरूद्वारा सिंह सभा की ओर से गुरू अर्जुन देवी जी के शहीदी दिवस के अवसर पर शनिवार को कस्बा के केनरा बैंक के पास मीठे पानी की छबील लगाई गई। सभा के प्रधान सतनाम सिंह के नेतृत्व में आयोजित छबील में सदस्यों ने हजारों लोगों को मीठा पानी पिलाकर उनकी प्यास बुझाई। सभा के प्रधान सरदार सतनाम सिंह ने बताया कि गुरू अर्जुन सिंह के शहीदी दिवस पर मीठे पानी की छबील लगाकर राहगीरो की प्यास बुझाने का काम किया गया। गुरू अर्जुन सिंह ने भी अपने घर पर आए दुश्मन को भी लंगर खिलाकर उसकी भूख मिटाने का काम किया था। सभी को गुरू अर्जुन सिंह द्वारा दिखाए मार्ग पर चलकर समाज सेवा के कार्य करने चाहिए। छबील पर सुबह से लेकर शाम तक राहगिरों को मीठा जल पिलाकर पुण्य कमाया गया। इस अवसर पर डायरेक्टर मेजर सिंह, बलकार सिंह जब्बल, सतनाम सिंह जब्बल, बलदेव सिंह, रणजीत सिंह, विक्रमजीत सिंह, नवनीत सिंह, गुरप्रीत सिंह, हरकीरत सिंह, अविजोत सिंह, जसकरण सिंह, सुरिंदर कुमार, साहिब सिंह व जसबीर सिंह आदि मौजूद रहे।

रोटरी क्लब के सदस्यों ने चलाया सफाई अभियान

रादौर। रोटरी क्लब रादौर के सदस्यों ने कस्बा के प्राचीन एवं ऐतिहासिक पक्का घाट पर सफाई अभियान चलाकर लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया। सफाई अभियान का शुभारंभ क्लब के सचिव भारत माटिया ने किया। अभियान में क्लब के सदस्यों व नपा के सफाई कर्मचारियों ने भाग लिया। क्लब के सचिव भारत माटिया ने बताया कि संस्था की ओर से हर महीने के अंतिम शनिवार को पक्के घाट की सफाई करवाई जाती है। पक्का घाट स्थानीय लोगों द्वारा 1834 में बनाया गया था। जिसका धार्मिक दृष्टि से बहुत महत्व है। हर त्यौहार पर स्थानीय लोग अपने धार्मिक अनुष्ठान के लिए पक्के घाट पर पहुंचते हैं। उन्होंने लोगों को पक्का घाट के आसपास गंदगी नहीं फैलाने के लिए आहवान किया। ताकि पक्का घाट पर अनुष्ठान करने के लिए पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की आस्था पर ठेस ना पहुंचे। इस अवसर पर डॉ. एससी सैनी, मोहनलाल अरोड़ा, देवीदयाल अरोड़ा, ब्रह्मप्रकाश टंडन, संदीप सैनी, मास्टर कृष्ण आर्य, मोहित गर्ग व मास्टर गुरचरण सिंह आदि मौजूद रहे।

भूमि विवादः दूसरे पक्ष ने भी पुलिस से की शिकायत

यमुनानगर। गांव बलौली में जमीनी विवाद को लेकर हुए झगड़े में दूसरे पक्ष ने भी पुलिस को शिकायत दी है। पुलिस ने दूसरे पक्ष की शिकायत पर आधा दर्जन आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस ने यह मामला गांव के सुनील कुमार की शिकायत पर दर्ज किया है। एक दिन पहले पुलिस ने प्रवीण कुमार की शिकायत पर गांव के ही पांच लोगों के खिलाफ घर में घुसकर गाली गलौज करने व हमला करने का आरोप लगाया था। पुलिस ने अब दूसरे पक्ष के शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार गांव बलौली निवासी सुनील कुमार ने छछरौली पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि उसका गांव के ही प्रवीण कुमार के साथ जमीनी विवाद चल रहा है। इसी विवाद के चलते आरोपी प्रवीण कुमार ने अपने साथियों अंकित, महेंद्र, राजकुमार, रवि कुमार व अनिल के साथ मिलकर उस पर तथा उसके भाई दीपक, नरसिंह, सुनील व कृष पर लाठियों व तलवारों से हमला कर दिया। जिससे वह सभी लोग घायल हो गए। आसपास के लोगों ने उन्हें आरोपियों से छुड़वाया और उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया। पुलिस ने मामले की जांच के बाद सभी आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। उधर, एक दिन पहले पुलिस ने प्रवीण कुमार की शिकायत पर गांव के ही रविंद्र, दीपक, नरसिंह, अमन व सुनील के खिलाफ केस दर्ज किया था।

शहीद उद्यम सिंह कांबोज की मनेगी पुण्यतिथि

रादौर। हरियाणा कांबोज सभा द्वारा 31 जुलाई को शिरोमणि शहीद उद्यम सिंह कांबोज की पुण्यातिथि पर रादौर की अनाज मंडी में शहादती समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान शहीद उद्यम सिंह की पुण्यातिथि को श्रद्धाभाव से मनाया जाएगा। उक्त जानकारी रादौर कांबोज धर्मशाला के प्रधान वेद प्रकाश कांबोज ने दी। कांबोज धर्मशाला के प्रधान वेदप्रकाश कांबोज ने बताया कि समारोह के दौरान शहीद उधम सिंह के अद्वितीय बलिदान को श्रद्धापूर्वक याद किया जाएगा। मौके पर युवाओं को शहीद उद्यम सिंह कांबोज के देशप्रेम, साहस और राष्ट्रभक्ति से प्रेरणा लेने का संदेश दिया जाएगा। आयोजन में समाज के विभिन्न मुद्दों पर भी विचार विमर्श होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि हरियाणा कांबोज सभा ने प्रदेश के सभी सामाजिक, धार्मिक एवं शिक्षण संस्थाओं के प्रतिनिधियों सहित आम नागरिकों से समारोह में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर शहीद उधम सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करने और कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

खबर संक्षेप

नव नियुक्त थाना प्रभारी का किया स्वागत

लाडवा। संजय गांधी मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल, धनोरा-लाडवा के प्रधान पवन गर्ग ने विद्यालय के प्रधानाचार्य नरेंद्र शर्मा व रविंदर कुमार के साथ लाडवा थाना के नव नियुक्त थाना प्रभारी राजीव कुमार का पुष्पगुच्छ भेंट कर हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर पवन गर्ग ने राजीव कुमार को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में क्षेत्र में कानून व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी तथा आमजन में सुरक्षा और विश्वास की भावना बढ़ेगी।

सड़क हादसे में युवक की मौत

कुरुक्षेत्र। जीटी रोड पर शुक्रवार देर रात हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। हादसा शाहाबाद से पिपली रोड पर मन्नत हवेली होटल के पास हुआ। युवक रात करीब एक बजे जीटी रोड पार कर रहा था। इसी दौरान किसी तेज रफ्तार वाहन ने उसे कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद आरोपी ड्राइवर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना डायल-112 पर दी गई।

तीन दिवसीय पल्स पोलियो अभियान आज से

कुरुक्षेत्र। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन हरियाणा की तरफ से 28 जून 2026 से पल्स पोलियो के लिए राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस का आयोजन किया जा रहा है। इस पल्स पोलियो अभियान के दौरान प्रदेश के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक देने का लक्ष्य रखा गया है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि 28 जून को जिला में कई स्थानों पर बूथ स्थापित किए जाएंगे, और इसके बाद के दिनों में सभी पात्र लाभार्थियों को कवर करने के लिए टीमें घर-घर जाएगी और 0-5 वर्ष के पात्र बच्चों को पोलियो की खुराक देंगी।

15.92 लाख रुपये की धोखाधड़ी में महिला काबू

कुरुक्षेत्र। पुलिस अधीक्षक चन्द्र मोहन के मार्गदर्शन में आर्थिक अपराध शाखा द्वारा विदेश भेजने के नाम पर लाखों रुपये की धोखाधड़ी के मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। यह मामला दिसंबर 2025 में थाना इस्माईलाबाद में दर्ज किया गया था। मामले की जांच के दौरान पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर 26 जून 2026 को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

सांसद ने गुरुद्वारा रोड पर लगवाया वॉटर कूलर

पिहोवा। सांसद नवीन जिंदल की ओर से नगर पालिका क्षेत्र की सबसे व्यस्त मार्केट गुरुद्वारा रोड पर निशुल्क वाटर कूलर लगवाया गया। भाजपा नेता जय भगवान शर्मा डीडी और नगर पालिका प्रधान आशीष चक्रपाणि ने इस कूलर को जनसमर्पित किया। जय भगवान शर्मा ने कहा कि गुरुद्वारा रोड सबसे भीड़ भाड़ वाला इलाका है। प्रतिदिन हजारों लोग शॉपिंग के लिए आते हैं।

1 जुलाई से कर सकेंगे ऑनलाइन आवेदन

कुवि के सीडीओई में जुलाई-2026 सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में उच्च शिक्षा को अधिक सुलभ, लचीला और रोजगारोन्मुख बनाने की दिशा में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर डिस्टेंस एंड ऑनलाइन एजुकेशन (सीडीओई) द्वारा जुलाई-2026 सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू की जा रही है। आवेदक 1 जुलाई से 15 सितम्बर तक इन प्रोग्राम्स में आवेदन कर सकेंगे। विश्वविद्यालय ने ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल) तथा ऑनलाइन मोड के माध्यम से संचालित सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, स्नातक एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। सीडीओई की निदेशिका प्रो. मंजूला चौधरी ने बताया कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य ऐसे विद्यार्थियों, नौकरीपेशा युवाओं, गृहिणियों तथा अन्य इच्छुक अभ्यर्थियों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा उपलब्ध कराना है, जो नियमित रूप से कक्षाओं में उपस्थित नहीं हो सकते। प्रो. मंजूला चौधरी ने बताया कि ओडीएल मोड के विद्यार्थियों को हरियाणा के विभिन्न शहरों में स्थापित परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा देने की सुविधा मिलेगी। साथ ही विद्यार्थियों के लिए विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा व्यक्तिगत संपर्क कक्षाएं, अद्यतन अध्ययन सामग्री तथा शैक्षणिक मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। वहीं ऑनलाइन कार्यक्रमों में विद्यार्थियों को अपनी सुविधा के अनुसार अध्ययन करने, डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म का उपयोग करने तथा विशेषज्ञ संकाय से ऑनलाइन मार्गदर्शन प्राप्त करने की सुविधा दी जाएगी।

15 सितंबर अंतिम तिथि

लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने बताया कि इन प्रोग्राम्स में दाखिले के ऑनलाइन पंजीकरण पोर्टल 1 जुलाई 2026 से शुरू होगा। बी.एड. कार्यक्रम में प्रवेश की अंतिम तिथि 1 सितंबर 2026 निर्धारित की गई है, जबकि अन्य सभी कार्यक्रमों में आवेदन की अंतिम तिथि 15 सितंबर 2026 रहेगी। आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन होगी और अभ्यर्थी विश्वविद्यालय तथा सीडीओई की वेबसाइट के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे।

स्नातक स्तर पर अनेक विकल्प

प्रो. मंजूला चौधरी ने बताया कि 10+2 उत्तीर्ण विद्यार्थी बी.ए., बी.कॉम., बी.एससी., बीसीए तथा बीबीए जैसे स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश ले सकते हैं। इनमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 के अनुरूप सेमेस्टर प्रणाली के पाठ्यक्रम भी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त स्नातक उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के लिए बैचलर ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस (बी.लिब.) तथा दो वर्षीय बी.एड. कार्यक्रम में भी प्रवेश का अवसर उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि जिन विद्यार्थियों का अंतिम परिणाम अभी घोषित नहीं हुआ है, वे भी निर्धारित समय सीमा तक पात्रता पूरी करने की शर्त पर आवेदन कर सकते हैं।

पुलिस पेंशनरों ने उठाई मेडिकल सुविधाओं और पेंशन वृद्धि की मांग

- पुलिस अधीक्षक कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन करने का निर्णय लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र। बैठक में मौजूद रिटायर्ड पुलिस संगठन के पदाधिकारी।

रिटायर्ड पुलिस संगठन, कुरुक्षेत्र की मासिक बैठक शनिवार को पुलिस लाइन में संगठन के प्रधान महेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में सेवानिवृत्त पुलिस कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा करते हुए सरकार से कई अहम मांगें उठाई गईं। प्रधान महेंद्र सिंह ने उपस्थित सदस्यों से उनकी समस्याओं और कठिनाइयों की जानकारी ली। बैठक में सर्वसम्मति से मांग की गई कि सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों एवं अन्य पेंशनरों को स्वास्थ्य बीमा (इंश्योरेंस) की सुविधा उपलब्ध कराई जाए तथा वर्तमान मेडिकल भत्ते को बढ़ाकर 5,000 रुपये प्रतिमाह किया जाए। बैठक में पुलिस लाइन स्थित डीएवी स्कूल में रिटायर्ड पुलिस कर्मचारियों के बच्चों को दी जा रही 25 प्रतिशत फीस छूट को बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने तथा दिल्ली पुलिस की तर्ज पर हरियाणा में भी रिटायर्ड पुलिस कर्मचारियों के बच्चों को भर्ती में 5 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग उठाई गई। बैठक में लाडवा में 17 जून 2026 को दो सहायक उपनिरीक्षकों और एक होमगार्ड के खिलाफ दर्ज मुकदमे एवं उनके निलंबन का भी विरोध किया गया। संगठन ने इस कार्रवाई को लेकर मंगलवार को पुलिस अधीक्षक (एसपी) कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन करने का निर्णय लिया।

कर चले हम फिदा जानो तन साथियों.. गाकर किया मंत्रमुग्ध

कुरुक्षेत्र। भारत रक्षा मंच के 17वें स्थापना दिवस पर कुरुक्षेत्र जिला शाखा की ओर से सैनी पब्लिक स्कूल कुरुक्षेत्र के प्रांगण में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भारत रक्षा मंच के जिला प्रभारी डॉ. योगेश्वर जोशी मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे। वे एक प्रखर इतिहास ज्ञाता हैं। उन्होंने प्राचीन भारतीय इतिहास के संदर्भ देकर वर्तमान में हिन्दू समाज और राष्ट्र के समक्ष संभावित चुनौतियों की भयावह परिस्थितियों का उल्लेख किया। उन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं को संगठन के उद्देश्य एवं लक्ष्यों से अवगत करवाया और सभी से संगठन को मजबूत बनाने तथा राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों के निर्वहन का आह्वान किया। इस अवसर पर संगठन की कुरुक्षेत्र इकाई के प्रधान हंसराज एवं सचिव अमन जोशी ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का आकर्षण देशभक्ति गीतों की प्रस्तुतियां रहीं। डॉ. योगेश्वर जोशी ने /"मेरे देश की धरती सोना उगले,/" /"मेरे देश में पवन चले पुरवाई/" एवं /"कर चले हम फिदा जानो तन साथियों/" गाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

खेल केवल शारीरिक फिटनेस नहीं, बल्कि अनुशासन और नेतृत्व क्षमता का भी साधन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| शाहबाद

रोटरी क्लब शाहाबाद मारकंडा एवं शाहाबाद हैंडबॉल अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में सतलुज सीनियर सेकेंडरी स्कूल, शाहाबाद मारकंडा में राज्य स्तरीय इंटर अकादमी हैंडबॉल टूनार्मेंट का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में अंडर-14 बॉयज एवं सीनियर गर्ल्स वर्ग के मुकाबले आयोजित हुए, जिनमें प्रदेश की विभिन्न अकादमियों की 20 टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। खिलाड़ियों ने पूरे टूनार्मेंट के दौरान शानदार खेल कौशल, अनुशासन एवं खेल भावना का परिचय देते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। इस अवसर पर रोटरी क्लब शाहाबाद मारकंडा के प्रधान रोटेरियन डॉ. आर. एस. घुम्मन ने कहा कि खेल केवल शारीरिक फिटनेस का माध्यम ही नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना विकसित करने का सर्वोत्तम साधन भी हैं। उन्होंने कहा कि रोटरी क्लब समाज सेवा के साथ-साथ खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए भी निरंतर कार्य कर रहा है। युवा खिलाड़ियों को उचित मंच उपलब्ध कराना समय की आवश्यकता है, ताकि वे भविष्य में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश और देश का नाम रोशन कर सकें।

भीषण गर्मी और उमस में जनजीवन प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

जिले में शनिवार को भी भीषण गर्मी और उमस ने लोगों का जनजीवन प्रभावित किया। सुबह से ही तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लोग परेशान नजर आए। दिन चढ़ने के साथ उमस बढ़ती गई, जिससे लोग दिनभर पसीने से तरबतर रहे। गर्मी के साथ-साथ बार-बार हो रही बिजली कटौती ने भी लोगों की परेशानियों में इजाफा कर दिया। बिजली गुल होने से घरों में पंखे, कूलर और एयर कंडीशनर बंद हो गए, जिससे लोगों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ा। खासकर छोटे बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को सबसे अधिक परेशानी हुई। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को जिले का अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में नमी अधिक होने के कारण उमस ने लोगों को बेहाल कर दिया। दोपहर के समय गर्मी का असर सबसे ज्यादा देखने को मिला। भीषण गर्मी के कारण शहर के प्रमुख बाजारों और व्यावसायिक क्षेत्रों में सामान्य दिनों की अपेक्षा कम भीड़ रही। दोपहर के समय सड़कें लगभग सुनसान दिखाई दीं और लोग केवल जरूरी कार्य होने पर ही घरों से बाहर निकले।

चिकित्सकों ने गर्मी से बचाव के दिए सुझाव

गर्मी से राहत पाने के लिए लोगों ने शीतल पेय, जूस, लस्सी, शिकंजी, नारियल पानी और ठंडे पानी का सहारा लिया। कई स्थानों पर ठंडे पेय पदार्थों की दुकानों पर अच्छी-खासी भीड़ देखने को मिली। डॉक्टरों ने लोगों को दोपहर के समय अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचने, पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, हल्के सूती कपड़े पहनने तथा बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि अगले कुछ दिनों तक गर्मी और उमस से तुरंत राहत मिलने की संभावना कम है। ऐसे में लोगों को सतर्क रहकर गर्मी से बचाव के उपाय अपनाने की जरूरत है।

प्रशिक्षण प्राप्त कर रही छात्राओं का कोर्स पूर्ण होने पर वितरित किए प्रमाण पत्र

शाहबाद। रोटरी क्लब शाहाबाद मारकंडा एवं डी.ए.वी. सीनियर सेकेंडरी स्कूल, शाहाबाद मारकंडा के संयुक्त प्रयास से संचालित सिलाई प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही छात्राओं का कोर्स पूर्ण होने पर एक भव्य प्रमाण-पत्र वितरण समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर समाजसेवी एवं रोटेरियन संदीप गर्ग मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाली छात्राओं को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि रोटेरियन संदीप गर्ग ने कहा कि आज के समय में कौशल आधारित शिक्षा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि सिलाई का हुनर केवल रोजगार का साधन ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और सम्मानजनक जीवन का आधार भी है। उन्होंने छात्राओं को अपने कौशल का निरंतर विकास करने, स्वरोजगार अपनाने तथा परिवार एवं समाज की आर्थिक प्रगति में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। अंत में उन्होंने सभी छात्राओं को प्रमाण-पत्र प्राप्त करने पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रोजेक्ट चेयरमैन रोटेरियन एस. सी. सिंगला ने परियोजना की जानकारी देते हुए बताया कि इस सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद छात्राओं और महिलाओं को निःशुल्क प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान छात्राओं ने सिलाई एवं परिधान निर्माण की विभिन्न तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया है, जो भविष्य में उनके रोजगार एवं स्वरोजगार के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा।

गीता हमें आत्मविश्वास, आत्मसंयम और आत्मबोध की ओर करती प्रेरित : गीता मनीषी

- सप्तम मासिक गीता प्रवाह संगोष्ठी को किया संबोधित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने कहा कि गीता का संदेश समस्त मानव समाज के लिए आत्मज्ञान, नैतिकता, करुणा, सेवा और लोककल्याण का सार्वभौमिक संदेश है। गीता हमें आत्मविश्वास, आत्मसंयम और आत्मबोध की ओर प्रेरित करती है तथा यह सिखाती है कि मनुष्य का वास्तविक विकास केवल भौतिक उपलब्धियों से नहीं, बल्कि चरित्र, संस्कार और आध्यात्मिक चेतना से होता है। गीता मनीषी गीता ज्ञान संस्थानम् में आयोजित सप्तम मासिक गीता प्रवाह संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के तौर श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय के कुलगुरु वैद्य करतार धीमान ने शिरकत की, जबकि अध्यक्षता जीओ गीता सचिव मदन मोहन छाबड़ा ने की। मुख्य वक्ता वैद्य डॉ. करतार धीमान ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की कर्मयोग की शिक्षा और आयुर्वेद का 'स्वस्थस्य स्वास्थ्य रक्षणम्, आतुरस्य विकार प्रशमनम्' का सिद्धांत मिलकर एक ऐसे समाज की परिकल्पना करते हैं, जहां व्यक्ति केवल रोगमुक्त ही नहीं, बल्कि चरित्रवान, कर्तव्यनिष्ठ और आत्मनिर्भर भी हो। यही भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा की सबसे बड़ी विशेषता है। उन्होंने कहा कि गीता और आयुर्वेद अपनाने से ही स्वस्थ, सशक्त और संस्कारित भारत बनेगा, क्योंकि आज की भागदौड़, तनावपूर्ण जीवनशैली और बढ़ती मानसिक चुनौतियों के दौर में गीता और आयुर्वेद पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो गए हैं। गीता मन को स्थिर, सकारात्मक और आत्मविश्वासी बनाती है, जबकि आयुर्वेद उचित आहार, विहार, दिनचर्या और ऋतुचर्या के माध्यम से रोगों की रोकथाम और स्वास्थ्य संरक्षण का मार्ग प्रशस्त करता है।

भाविप ने डॉ. सूरज प्रकाश की 106वीं जयंती 'सेवा दिवस' के रूप में मनाई

कुरुक्षेत्र। भारत विकास परिषद कुरुक्षेत्र शाखा ने अपने संस्थापक, पूर्व राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रख्यात समाज सुधारक डॉ. सूरज प्रकाश की 106वीं जयंती के उपलक्ष्य में 'सेवा दिवस' का आयोजन किया। परिषद के सेवा प्रकल्प के अंतर्गत, स्थानीय लोक नायक जय प्रकाश अस्पताल में मरीजों के बीच खिचड़ी, चाय और फलों का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने डॉ. सूरज प्रकाश के जीवन और उनके योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि डॉ. सूरज प्रकाश ने देश के विभाजन के समय विस्थापित परिवारों के पुनर्वास के लिए अथक संघर्ष किया था। उनका निस्वार्थ सेवा भाव आज भी समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है। 'नर सेवा ही नारायण सेवा है' के मूल मंत्र को चरितार्थ करते हुए परिषद हर वर्ष डॉ. सूरज प्रकाश की जयंती को सेवा दिवस के रूप में मनाती है। इस सेवा कार्य के अवसर पर परिषद के अध्यक्ष जयप्रकाश पंवार, सचिव डॉ. जवाहर लाल, विजयंत बिंदल, सुभाष बंसल, प्रवीण घई, मितुल अरोड़ा, डॉ. वी.वी. चिकारा, डॉ. सुनील बाला, मास्टर जितेंद्र, चंद्रशेखर, नितिन सहित परिषद के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

गुरविंदर सिंह ने एसडीएम पिहोवा का संभाला कार्यभार

पिहोवा। गुरविंदर सिंह एचसीएस 2023 बैच एसडीएम पिहोवा का पद का कार्यभार संभाल लिया है। कार्यभार संभालने के बाद एसडीएम गुरविंदर सिंह ने अधिकारियों से विकास कार्यों की जानकारी ली और उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को दिशा निर्देश देते हुए कहा कि सभी अधिकारी व कर्मचारी अपनी ड्यूटी का निवर्हन जिम्मेदारी से करेंगे ताकि विकास कार्य और आमजन की समस्या का समाधान समय पर किया जा सके और किसी भी आमजन को परेशानी का सामना ना करना पड़े। एसडीएम गुरविंदर सिंह ने कहा कि पिहोवा में आमजन की समस्याओं का हल करना प्राथमिकता रहेगी उपमंडल के सभी अधिकारियों को जन समस्याओं का हल करने में अग्रणी रखा जाएगा कोई भी नागरिक अपनी समस्याओं को लेकर किसी भी समय उनके कार्यालय में आकर मिल सकता है।

प्रकाश उत्सव समागम में दिल्ली, मध्य प्रदेश और कुरुक्षेत्र जिले के गांवों की संगत पहुंची शीश नवाने

प्रशिक्षण शिविर में बच्चों को दिए जा रहे दस्तार सजाने के गुर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र। समागम के दौरान लगाए गए स्टाल पर पास्ता और अन्य पकवान लेती संगत।

श्रीअकाल तख्त साहिब श्री अमृतसर साहिब के सृजनहार धन धन श्री गुरु हरगोबिंद साहिब जी महाराज के प्रकाश उत्सव समागम के चौथे दिन दिल्ली, मध्य प्रदेश और जिला कुरुक्षेत्र के आसपास के गांवों की संगत गुरुद्वारा साहिब पातशाही छठी में नतमस्तक हुई। शनिवार को श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी महाराज के श्री अखंड पाठ साहिब की दूसरी लड़ी के मध्य भोग पाए गए और पूर्व हेड ग्रंथी भाई गुरदास सिंह गुरु चरणों में सरबत के भले की अरदास की। समागम में किसी भी प्रकार से संगत को असुविधा न हो, इसके लिए हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के प्रधान जत्थेदार जगदीश सिंह झीडा, मैंबर बीबी जसबीर कौर मसाना, मैंबर इंद्रजीत सिंह और सुखजिंदर सिंह मसाना ने प्रबंध पर नजर बनाए रखी। प्रबंध को लेकर हरियाणा कमेटी के प्रधान और मेंबर साहिबान अधिकारियों को लगातार दिशा निर्देश देते भी नजर आए। उधर हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के मुख्य सचिव जसविंदर सिंह दीनपुर, एडिशनल सेक्रेटरी राजपाल सिंह दुनिया माजरा पीए, प्रधान साहब के निजी सचिव शमशेर सिंह, एडिशनल सेक्रेटरी नरेंद्र सिंह, एडिशनल सेक्रेटरी सतपाल सिंह डाचर और मेला प्रबंधक फ्लाइंग विभाग इंचार्ज जज सिंह, मैनेजर हरमीत सिंह भी कर्मचारियों से तालमेल बनाकर हर व्यवस्था बनाते नजर आए।

गुरुद्वारा साहिब में जांचा लोगों का स्वास्थ्य

समागम के चौथे दिन समर्थ हॉस्पिटल के संचालक डॉक्टर इंद्रजीत सिंह द्वारा अपनी टीम को साथ लेकर गुरुद्वारा साहिब में स्वास्थ्य जांच लगाया गया। इस दौरान डॉक्टर इंद्रजीत सिंह ने स्वयं भी कई लोगों का स्वास्थ्य जांचा। उनकी टीम ने सुबह से लेकर देर शाम तक लोगों के स्वास्थ्य की जांच की और निशुल्क दवाइयां भी वितरित की। इसके साथ ही शिविर में कुछ टेस्ट भी किए गए। समागम के दौरान स्वास्थ्य शिविर लगाने पर हरियाणा कमेटी द्वारा डॉक्टर इंद्रजीत व उनकी टीम को सम्मानित भी किया गया। उधर संत महापुरुष बाबा अमरीक सिंह जी कार सेवा वालों की ओर से गुरुद्वारा साहिब में तरह-तरह के पकवानों का स्टाल लगाकर सेवा की गई। समागम में लगातार जलजीरे, नींबू पानी और शरबत की सेवा भी सुबह से लेकर देर शाम तक की जा रही है। दूसरी ओर श्री गुरु तेग बहादुर जी सेवक जत्था द्वारा लगाए गए दस्तार मेरी पहचान प्रशिक्षण शिविर में बच्चें लगातार दस्तार सजाने के गुर सीख रहे हैं।

इंदिरा गाँधी नेशनल कॉलेज, लाडवा

प्रबंधक समिति के चुनाव बारे

कॉलेज की प्रबंधक समिति (गवर्निंग बॉडी) के आगामी तीन वर्षों के लिए गठन हेतु चार पदाधिकारियों (अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव एवं कोषाध्यक्ष), शिक्षण स्टॉफ के दो प्रतिनिधियों तथा गैर-शिक्षण स्टॉफ के एक प्रतिनिधि के पदों के लिए निर्वाचन प्रक्रिया निम्नलिखित कार्यक्रमानुसार आयोजित की जाएगी:-

1.	नामांकन पत्र भरने की तिथि	16.07.2026 (सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे)
2.	नामांकन पत्रों की जांच	16.07.2026 (दोपहर 12:30 बजे से दोपहर 1 बजे तक)
3.	नामांकन वापसी और आपत्तियों की तिथि	17.07.2026 (सुबह 10 बजे से 11 बजे तक)
4.	चुनाव की तिथि, यदि आवश्यक हो तो	19.07.2026 (बिना ब्रेक के सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक)
5.	स्थान	इंदिरा गाँधी नेशनल कॉलेज, लाडवा (धनौरा), जिला कुरुक्षेत्र
6.	परिणाम की घोषणा	19.07.2026 दोपहर 1 बजे

नरेन्द्र कुमार, निर्वाचन अधिकारी
मो. 9813099250

खबर संक्षेप

पशु चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। सीआईए-1 की टीम ने भैंस चोरी के मामले में संलिप्त दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से 45,000 रुपये की नकद राशि भी बरामद की गई है। सीआईए-1 निरीक्षक हरजिंद्र सिंह ने बताया कि शिकायतकर्ता सूरता सिंह निवासी गांव हुमांयूपुर ने 26 फरवरी 2026 को एक शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, 25 और 26 फरवरी 2026 की दरमियानी रात को अज्ञात चोरों ने गांव हुमांयूपुर से उनकी दो भैंसें चोरी कर ली । पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने तुरंत संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। जांच के दौरान अब पुलिस ने यूपी के साजिद व बुरहान को काबू किया है।

बाइक चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना सेक्टर-9 अंबाला शहर पुलिस ने बाइक चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए मामले में संलिप्त आरोपी को काबू किया। शिकायतकर्ता बलबीर सिंह ने 25 मई 2026 को शिकायत दी थी कि सेक्टर-10 अंबाला शहर से आरोपी ने उसकी बाइक चोरी की है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी थी। जांच के दौरान पुलिस ने मामले में संलिप्त आरोपी सूरज को काबू किया है।

आज पिलाई जाएगी पोलियो की खुराक

अंबाला। सिविल सर्जन डॉ. रेनू बेरी ने बताया कि पल्स पोलियों अभियान (एनआईडी) 28 जून 2026 को होना सुनिश्चित हुआ है। जिसके अंतर्गत 28 जून 2026 को पोलियो बूथ पर पोलियो की दवाई पिलाई जाएगी तथा 29 जून 2026 से 30 जून 2026 तक घर-घर जाकर पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। उन्होंने सभी लोगों से 0 से पांच साल तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि यह अभियान तभी सफल होगा जब लोग जागरुक होंगे।

गांव जटवाड़ के आंबेड़कर भवन में रात्रि ठहराव 30 को

अंबाला। गांव जटवाड़ के आंबेड़कर भवन में 30 जून को दोपहर बाद 5 बजे रात्रि ठहराव कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी नगराधीश अभिषेक गर्ग ने दी। उन्होंने बताया कि रात्रि ठहराव कार्यक्रम में सभी विभागाध्यक्ष उपस्थित रहेंगे। उन्होंने इसके विभागीय अधिकारियों को जरुरी व्यवस्थाएं भी करने के आदेश दिए हैं। रात्रि ठहराव में ग्रामीणों की शिकायतें सुनकर उन पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

चलाई जा रही हैं अनेक योजनाएं

अंबाला। जिला कल्याण अधिकारी शिशपाल ने बताया कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, अनुसूचित जातियां एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण और अंतोदय विभाग के माध्यम से विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाएं चलाई हुई हैं । इनमें मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना, मुख्यमंत्री सामाजिक, समरसता अंर्तराज्यीय विवाह शगुन योजना, डॉ. भीमराव अंबेड़कर मेधावी छात्रवृति संशोधित योजना के साथ-साथ अन्य शामिल हैं। उन्होंने बताया कि पात्र व्यक्ति इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए ऑनलाईन आवेदन कर सकता है।

भाकियू ने कार्रवाई का किया पुरजोर विरोध

कुर्बानपुर में विवादित जमीन पर प्रशासन के कब्जे के बाद तनाव

कार्रवाई का किसान कर रहे विरोध, बोले सियासी दबाव में हुआ धक्का

हरिभूमि न्यूज ⏭अंबाला

गांव कर्बानपुर में विवादित करीब 12 एकड़ कृषि भूमि पर प्रशासन के कब्जे से तनाव की स्थिति है। किसानों का आरोप है कि प्रशासन ने धक्के से जमीन कब्जाई है। हालांकि किसानों ने प्रशासनिक कार्रवाई के बाद जमीन पर दोबारा कब्जा लेने का प्रयास किया है। मगर भारी पुलिस बल ने किसानों को ऐसा करने से रोक दिया है। बीते रोज इस सिलसिले में एक दर्जन किसानों को हिरासत में लिया था। हालांकि अभी तक किसी भी किसान के खिलाफ केस दर्ज करने की कार्रवाई नहीं हुई है। भारतीय किसान यूनियन शहीद भगत सिंह के अध्यक्ष अमरजीत सिंह मोहड़ी ने कहा कि यह प्रशासन का धक्का है। प्रशासन सुप्रीमकोर्ट के आदेशों की धज्जियां उड़ाकर बदले की नीयत से कार्रवाई कर रहा है। दरअसल पिछले काफी समय से कुर्बानपुर में 12 एकड़ जमीन को लेकर प्रशासन व किसानों के बीच कानूनी लड़ाई लड़ी जा रही थी। प्रशासन इस जमीन को अपनी बता रहा है जबकि किसानों का तर्क है कि यह मुस्तरका खाते की जमीन है। उनका आरोप है कि न तो प्रशासन इस जमीन की मालिक है न ही पंचायत के पास इसकी मलकीयत का अधिकार है। गांव के ही कुछ किसान परिवारों के नाम दस्तावेजों में यह जमीन बोल रही है। किसानों का कहना है कि जमीन से होने वाली आमदनी गांव के गुरुघर को जाती थी। मगर अब प्रशासन के कब्जे के बाद गुरुघर की आमदनी बंद हो जाएगी। भारतीय किसान यूनियन शहीद भगत सिंह से जुड़े किसानों ने प्रशासन पर सुप्रीम कोर्ट के स्थगन आदेश की अवहेलना करने का आरोप लगाया है। शुक्रवार को जब प्रशासन की ओर से यहां पर कब्जे की कार्रवाई हुई तो तभी भारतीय किसान यूनियन शहीद भगत सिंह के नेता भी पहुंच गया। उन्होंने विरोध किया तो पुलिस ने टकराव के दौरान करीब एक दर्जन किसानों को हिरासत में ले लिया गया था।

पुलिस ने एक दर्जन किसानों के साथ तीन ट्रेक्टरों को भी लिया था कब्जे में, किसानों के विरोध की वजह से रिहाई

अंबाला। जमीन पर कब्जे के दौरान किसानों से भिड़ते पुलिस के जवान।

गांव में पुलिस बल तैनात

कुर्बानपुर में कब्जे की कार्रवाई के बाद गांव में तनाव की स्थिति देखी जा रही है। ज्यादातर किसान प्रशासन की कार्रवाई से बेहद आहत हैं। उनका आरोप है कि प्रशासन ने किसानों के साथ धक्का किया है। सियासी हस्तक्षेप की वजह से प्रशासन किसानों को निशाना बना रहा है। किसानों ने कहा कि कोई भी परिवार जमीन से होने वाली आमदनी का व्यक्तिगत इस्तेमाल नहीं कर रहा था। इसके बावजूद प्रशासन जमीन पर काफी दिन से कब्जे की योजना बना रही थी। उन्होंने कहा कि अदालती आदेशों में कहीं भी यह क्लीयर नहीं है कि जमीन पंचायत या फिर प्रशासन की है।

पुलिस की कार्रवाई पर हुआ टकराव

जमीन पर कब्जे के दौरान पुलिस व किसानों के बीच कड़ा टकराव हो गया था। इस दौरान कब्जे की कार्रवाई का विरोध करने वाले किसानों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। सभी किसानों को अंबाला शहर के सेक्टर 9 थाना में लाया गया। यहां भारी संख्या में किसान थाने के बाहर जमा हो गए। किसानों ने यहां कार्रवाई के खिलाफ मोर्चा लगा दिया। थाने के बाहर किसानों ने सभी सहयोगियों की रिहाई के साथ ही जब्त ट्रेक्टर छोड़ने की मांग की। साथ ही जमीन से कब्जा हटाने की भी मांग की। किसानों ने कहा कि जब तक प्रशासन मामले में कानूनन सही फैसला नहीं करता तब जमीन के कब्जे की कार्रवाई रुकनी चाहिए। पुलिस की कार्रवाई के बाद भड़के किसानों ने पुलिस व प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। भारतीय किसान यूनियन से तेजवीर सिंह ने बताया कि जब तक उनके गिरफ्तार साथियों को छोड़ा नहीं जाता और जब्त ट्रैक्टरों को नहीं छोड़ा जाता, तब तक उनका यह धरना-प्रदर्शन अनवरत जारी रहेगा। शाम को छह बजे पुलिस ट्रेक्टर छोड़ने को तैयार हो गई मगर किसान इस बात पर अड़ गए कि उनके मोबाइल भी दिए जाएं जोकि पुलिस द्वारा वीडियो बनाने पर छीन लिए गए थे।

मुलाना। क्षेत्र में काटी अवैध कालोनी का दृश्य। *फोटो: हरिभूमि*

प्रॉपर्टी डीलरों के बहकावे में आकर अवैध कॉलोनियों में न खरीदें प्लॉट

- जिला नगर योजनाकार ने कहा कि चिह्नित किए जाने के बाद होगी बड़ी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭मुलाना

क्षेत्र में अवैध कॉलोनी पर पीला पंजा चलाये जाने के बाद जिला नगर योजनाकार रोहित चौहान का कहना है कि वह पहले भी आम जन से प्रॉपर्टी डीलरों के बहकावे में आकर प्लाट न खरीदें। उन्होंने कहा कि बिना पूरी जानकारी प्राप्त किए प्लाट की खरीद करने पर जीवन भर की जमा पूंजी बर्बाद हो सकती है। खरीद से पहले डीलर से यह जरूर पता कर लें कि वह कॉलोनी वैध है या अवैध। चौहान ने बताया कि वह चिह्नित कर रहे हैं कि कौनसी कॉलोनी को उनके द्वारा अवैध घोषित किया गया है। अगर उसमें प्लाटिंग की जा रही है तो अगले कुछ ही समय में ऐसी कॉलोनियों पर उनके द्वारा कार्रवाई की जाएगी। जिला नगर योजनाकार ने बताया कि उनके द्वारा आमजन को सचेत करने के लिए बराड़ा तहसील कार्यालय, खंड विकास अधिकारी कार्यालय, उपतहसील मुलाना , साहा और अन्य में भी अवैध खसरा नंबरों के बोर्ड भी लगवाए हैं । उनमें अवैध कॉलोनियों काटे जाने की उन्हें खबरें मिल रही हैं।। ऐसी कॉलोनियों की अब चिह्नित किया जा रहा है। बहुत जल्दी ही बराड़ा व मुलाना क्षेत्र में ऐसी कॉलोनियों पर कड़ी कार्रवाई होगी। जिला नगर योजनाकार ने यह भी कहा कि अवैध घोषित कॉलोनियों के प्लाटों की रजिसट्रियां कैसे हो रही हैं यह तो बराड़ा,मुलाना के तहसीलदार या नायब तहसीलदार ही बता सकते है।।

जल्द कार्रवाई

बराड़ा तहसील और एसडीएम कार्यालय के सामने करीब 7,8 एकड़ में काटी जा रही एक अवैध कॉलोनी उनकी नजर में है जिस पर जल्द कार्रवाई हो सकती है। ऐसे में उन्होंने यहां प्लॉट खरीदने वालों को सचेत किया कि ऐसी अवैध कॉलोनियों में प्लाट न खरीदें। उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड की जमीन पर काटे जाने वाली अवैध कालोनी पर कार्रवाई तो वक्फ बोर्ड ही करवा सकता है। बता दें कि बराड़ा व मुलाना क्षेत्र में चाहे दोसड़का रोड हो या एमएम मुलाना रोड हो यहां तक कि तहसील कार्यालय के ठीक सामने ही अवैधॉलोनियों का जाल बिछ गया है। अवैध घोषित कॉलोनियों की रजिस्ट्री हो रही है। दलालों द्वारा उच्चाधिकारियों तक सुविधा शुल्क पंहुचाया जा रहा है। मगर प्रशासन सरकार मौन धारण किए हुए है।

कार की टक्कर से राहगीर घायल

- पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद,हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया

हरिभूमि न्यूज ⏭बराड़ा

बराड़ा-अधोया रोड पर शनिवार को तेज रफ्तार कार की टक्कर से एक राहगीर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा एक किराना स्टोर के समीप उस समय हुआ, जब व्यक्ति सड़क पार कर रहा था। टक्कर इतनी भीषण थी कि घायल कई फीट तक हवा में उछलकर सड़क पर बने डिवाइडर पर जा गिरा। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। हादसे में घायल की पहचान मोहनलाल के रूप में हुई है। दुर्घटना के तुरंत बाद आसपास के दुकानदारों और राहगीरों ने मानवता का परिचय देते हुए घायल को उपचार के लिए मुलाना स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज जारी है। चिकित्सकों के अनुसार उन्हें गंभीर चोटें आई हैं। घटना की सूचना मिलते ही बराड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। घायल के परिजनों ने पुलिस को शिकायत देकर फरार चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि दुर्घटना में शामिल कार यमुनानगर की बताई जा रही है। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज अपने कब्जे में लेकर आरोपी चालक की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए हैं। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की जांच जारी है और जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बराड़ा। हादसे में घायल मोहन लाल।

शिक्षकों ने सीखी आधुनिक शिक्षण तकनीक

- शिक्षण व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए आयोजित कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज ⏭बराड़ा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के अनुरूप शिक्षण व्यवस्था को अधिक प्रभावी, आधुनिक और परिणामोन्मुखी बनाने के उद्देश्य से डीएवी पब्लिक स्कूल, में शनिवार को दो दिवसीय नीड-बेस्ड कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम फॉर टीचर्स का शुभारंभ हुआ। कार्यशाला के पहले दिन विभिन्न विषयों पर आयोजित तकनीकी सत्रों में शिक्षकों को नवीन शिक्षण विधियों, गतिविधि आधारित शिक्षण तथा विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता बढ़ाने संबंधी व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यशाला का आयोजन क्षेत्रीय निदेशक (एआरओ) डॉ. विकास कोहली के मार्गदर्शन एवं डीएवी पब्लिक स्कूल की प्राचार्या अनुजा भारद्वाज की देखरेख में किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के वरिष्ठ शिक्षाविदों ने कोर्स कन्वीनर के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इनमें डॉ. विकास कोहली (पुलिस डीएवी पब्लिक स्कूल, अंबाला सिटी), डॉ. आर.आर. सूरी (मुरलीधर डीएवी, अंबाला सिटी), विपुला अरोड़ा (मॉडल टाउन डीएवी, अंबाला सिटी), मीनाक्षी लांबा (मेजर आरएन कपूर डीएवी, अंबाला कैंट), अनूप चोपड़ा (पुलिस डीएवी, यमुनानगर) तथा मेजबान विद्यालय की प्राचार्या अनुजा भारद्वाज विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्रशिक्षण शिविर में अंबाला, यमुनानगर, नारायणगढ़, सढौरा, रादौर और बराड़ा सहित विभिन्न डीएवी शिक्षण संस्थानों एवं आर्य सीनियर सेकेंडरी स्कूल तथा के.पी.ए.के. महाविद्यालय के शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

बराड़ा। कार्यशाला में भाग लेते प्रतिभागी टीचर। *फोटो: हरिभूमि*

प्रशिक्षण अत्यंत उपयोग

दिनभर चले विषयवार तकनीकी सत्रों में विशेषज्ञ रिसोर्स पर्सन्स ने अकाउंटेंसी, बिजनेस स्टडीज, अर्थशास्त्र, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, हिंदी, संस्कृत, गणित, शारीरिक शिक्षा एवं धर्म शिक्षा जैसे विषयों के प्रभावी अध्यापन की नवीन तकनीकों से शिक्षकों को अवगत कराया।कार्यशाला के पहले दिन का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। प्रतिभागी शिक्षकों ने प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताते कहा कि इससे उनके शिक्षण कौशल में निश्चित रूप से वृद्धि होगी।

थंबड़ विद्यालय में चलाया व्यापक स्वच्छता अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭बराड़ा

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय थम्बड़ में शनिवार को व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान को ग्राम पंचायत थम्बड़ के सरपंच रोहतास राणा एवं समाजसेवी अशोक राणा के सहयोग तथा विद्यालय की प्रधानाचार्या मनभावनी भल्ला के विशेष प्रयासों से सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया। इस अभियान के दौरान विद्यालय के खेल मैदान, प्रांगण, पेड़ों के आसपास उगी झाड़ियों, खरपतवार तथा सूखी घास को हटाकर पूरे परिसर की व्यापक साफ-सफाई की गई। स्वच्छता अभियान के माध्यम से विद्यालय परिसर को साफ, सुरक्षित एवं आकर्षक स्वरूप प्रदान किया गया, जिससे विद्यार्थियों को स्वच्छ एवं सकारात्मक शिक्षण वातावरण उपलब्ध हो सके। इस अवसर पर प्रधानाचार्या मनभावनी भल्ला ने ग्राम पंचायत थम्बड़, सरपंच रोहतास राणा, अशोक राणा तथा अभियान में सहयोग देने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ विद्यालय ही स्वस्थ एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की आधारशिला है।

विद्यार्थियों को मिलेगा स्वच्छ वातावरण

पंचायती रिकॉर्ड न देने पर निलंबित सरपंच के खिलाफ मामला दर्ज

सर्च वारंट के दौरान भी जब्त हुआ था जरुरी रिकॉर्ड

हरिभूमि न्यूज ⏭अंबाला

मोहड़ा ग्राम पंचायत की निलंबित सरपंच कमलजीत कौर के खिलाफ थाना पड़ाव में केस दर्ज किया गया है। उन पर पंचायत का जरूरी रिकॉर्ड अपने पास छिपाकर रखने और प्रशासन द्वारा सर्च वारंट जारी करने के बाद भी उसे न सौंपने का आरोप है। पुलिस ने खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मामले से जुड़े साक्ष्य जुटाए

अंबाला कैंट के बीडीपीओ की ओर से दी गई शिकायत के अनुसार, कमलजीत कौर के पास पंचायत का रिकॉर्ड होने की जानकारी मिली थी। इसके बाद उपमंडल मजिस्ट्रेट अंबाला कैंट के आदेशों पर सर्च वारंट की पालना करते हुए पूर्व सरपंच के घर तलाशी ली गई। इस दौरान केवल 9 कार्यवाही रजिस्टर, कुछ बैंक पासबुक और चेक बुक ही बरामद हो सकीं। मौजूदा कार्यवाहक सरपंच और ग्राम सचिव ने प्रशासन को बताया कि अभी भी पंचायत की कैशबुक, स्टॉक रजिस्टर, एमबी, वाउचर फाइल और वर्ष 2022 से संबंधित तमाम पुराना रिकॉर्ड पूर्व सरपंच के पास ही है। रिकॉर्ड न मिलने से गांव के सफाईकर्मियों का मानदेय जारी करने और अन्य आवश्यक सरकारी रिपोर्ट तैयार करने में अड़चन आ रही है। जांच अधिकारी मोहित ने मामले से जुड़े साक्ष्य जुटाए। अधिकारी का कहना है कि नियमानुसार रिकॉर्ड बरामदगी की कार्रवाई की जा रही है।

मासिक गोष्ठी में रंगमंचीय प्रस्तुतियों ने बांधा समा

पंचकूला। आर्ट एंड लिटरेरी जोन की मासिक गोष्ठी वरिष्ठ नागरिक कौंसिल के सभागार में उत्साह, उमंग और रचनात्मक ऊर्जा के साथ आयोजित की गई। कार्यक्रम में 30 सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही। जोन की चेयरपर्सन डॉ. नीरू मित्तल 'नीर' ने सभी सदस्यों का आत्मीय स्वागत करते साहित्य के साथ कला की उपयोगिता और महत्त्व पर प्रकाश डाला।कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. नीरू मित्तल 'नीर', सुनील मिनोचा तथा शशि चड्ढा द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुआ। इसके उपरांत वलिंदर कौर ने मधुर एवं भावपूर्ण सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया।इस अवसर पर नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने निवर्तमान टीम को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए ससम्मान विदाई दी और कौंसिल के सचिव एच सी गेरा ने नवनिर्वाचित टीम का पुष्प से स्वागत किया। कार्यक्रम का कुशल और प्रभावशाली संचालन सुनील मिनोचा तथा शशि चड्ढा ने किया।इस माह की गोष्ठी का विषय 'थिएट्रिकल आर्ट' रखा गया था, जिसके अंतर्गत सदस्यों ने स्किट, मिमिक्री, मोनो एक्टिंग और अभिनय की विविध प्रस्तुतियों से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। अचला डिंगले ने प्रसिद्ध गायकों की शानदार मिमिक्री प्रस्तुत कर खूब तालियाँ बटोरीं।

33 लाख रुपये की धोखाधड़ी में दो काबू

अंबाला। थाना अंबाला शहर पुलिस ने मुस्तैदी से कार्रवाई करते हुए जमीन बेचने के नाम पर लाखों रुपयों की धोखाधड़ी करने के मामले में दो आरोपियों को काबू करने में सफलता प्राप्त की है। शिकायतकर्ता रमेश कुमार ने 6 मई 2026 को एक लिखित शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत के अनुसार, 03 फरवरी 2025 से 12 अप्रैल 2026 के बीच आरोपी सुरेश पाल व उसके अन्य साथियों ने मानव चौक, जलबेहड़ा रोड पर स्थित 5 एकड़ जमीन बेचने का झांसा देकर शिकायतकर्ता से लगभग 33 लाख रुपये की मोटी रकम धोखाधड़ी से हड़प ली थी। आरोपियों ने न केवल जमीन पर पहले से लिए गए लोन (ऋण) की बात शिकायतकर्ता से छिपाकर रखी, बल्कि उस जमीन से मिट्टी भी उठवाकर बेच दी। जब शिकायतकर्ता ने जमीन की रजिस्ट्री करने या पैसे वापस करने का दबाव बनाया, तो आरोपियों ने न तो पैसे लौटाए और न ही जमीन उसके नाम की। इस मामले में अब आरोपी सुरेश पाल व आरोपी राज कुमार को काबू किया गया है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

निरीक्षण अधिकारियों को जरुरी निर्देश बोले- नालों की सफाई को लेकर नहीं होनी चाहिए लापरवाही

नालों मे किसी भी तरह का पोलीथीन अन्य सामान न डालें

बरसाती सीजन से पहले नालों की सफाई का संपदा अधिकारी ने लिया जायजा

- अपने-अपने क्षेत्रों में पड़ने वाली नालों व ड्रेनों की सफाई व्यवस्था का जायजा ले अधिकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭अंबाला

हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण की संपदा अधिकारी नीलम ने शनिवार को अंबाला शहर के अंतर्गत आने वाले नालों की सफाई व्यवस्था का जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। संपदा अधिकारी नीलम ने सफाई व्यवस्था के दृष्टिगत जेल लैंड के नजदीक से निकलने वाली ड्रेन की सफाई व्यवस्था के दृष्टिगत कैलाश नगर, इंको ड्रेन, रेलवे लाईन के नजदीक, लक्ष्मी नगर, वाटिका तक ड्रेन की सफाई व्यवस्था का जायजा लिया।

अंबाला। नालों की सफाई को लेकर जरुरी निर्देश देती संपदा अधिकारी नीलम।

अवरुद्ध न हो

उन्होंने यह भी कहा कि मानसून सीजन कभी भी आ सकता है, इसलिए ड्रेनों व नालों की सफाई व्यवस्था ठीक होनी चाहिए। उन्होंने आमजन से भी अपील की कि वे नालों मे किसी भी तरह का पोलीथीन व अन्य न डालें। ऐसे करने से नाले अवरूद्ध हो जाते हैं और बरसात के मौसम में बरसाती पानी की निकासी में दिक्कत आती है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रथम चरण में नालों की सफाई व्यवस्था का कार्य हुआ है।

उन्होंने मौके पर अधिकारियों से सफाई की विस्तार से जानकारी ली।

ये रहे मौजूद

बता दें कि उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने बीते दो दिन पहले विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर उन्हें स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि मानसून से पहले-पहले नालों की सफाई व्यवस्था करवाना सुनिश्चित करें। एसडीएम को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे भी अपने-अपने क्षेत्रों में पड़ने वाली नालों व ड्रेनों की सफाई व्यवस्था का जायजा लें। इस मौके पर कार्यकारी अभियंता कर्णवीर, कार्यकारी अभियंता सुमित मलिक, सफाई निरीक्षक राज कुमार भी मौजूद रहे।

खिलाड़ियों को मिलेंगी बेहतरीन सुविधाएं

अंबाला। खेल और फिटनेस को नई ऊंचाइयां देने की दिशा में अंबाला रेल मंडल ने नई पहल की है। मंडल रेल प्रबंधक विनोद भाटिया ने नवनिर्मित अत्याधुनिक तरंग रेलवे स्टेडियम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता व खेल अधिकारी चंद्रकांत मूंगरे सहित रेलवे के आला अधिकारी मौजूद रहे।स्टेडियम की शुरुआत एक रोमांचक क्रिकेट मैच के साथ हुई। इसमें खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन कर सुविधाओं की झलक पेश की। रेल प्रशासन का कहना है कि यह स्टेडियम न केवल रेलवे कर्मचारियों बल्कि स्थानीय युवाओं और खेल प्रेमियों के लिए भी मील का पत्थर साबित होगा।जल्द ही इसे आम जनता के लिए बुकिंग के लिए खोल दिया जाएगा। यहां अंतरराष्ट्रीय मानकों के क्रिकेट ग्राउंड के साथ-साथ इनडोर बैडमिंटन कोर्ट, बास्केटबॉल, टेनिस कोर्ट और बॉक्सिंग रिंग जैसी विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध हैं।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 28 जून 2026

मन-जीवन को कर रहा अशांत
सोशल मीडिया नोटिफिकेशंस

{ कवर स्टोरी / डॉ. मोनिका शर्मा }

कभी किसी परिचित के सुंदर घर की तस्वीर तो कभी किसी फ्रेंड के विदेश घूम आने के अपडेट, वर्चुअल दुनिया में जुड़े किसी अनजान वर्चुअल मित्र ने अचानक अपना लुक बदल लिया, तो किसी के बच्चों की कमाल की उपलब्धियां। सब कुछ स्क्रीन के जरिए हम तक पहुंचता रहता है। हर उम्र के लोगों में लगातार सोशल मीडिया पर अपडेट रहने और दूसरों को अपडेट करने की सोच बढ़ रही है। इस वजह से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के नोटिफिकेशन की टोन कई बार मन को बेचैन करने वाली दस्तक-सी लगने लगती है। दूसरों के लुक्स, करियर, महंगे शौक और एडवेंचरस ट्रिप्स को देखकर मन में कमतरी के भाव आने लगते हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि किसी के भी जीवन की हकीकत इतनी सुंदर-सहज नहीं होती है, जितनी सोशल मीडिया पर दिखती है। ऐसे में बनावटी-सजावटी आभासी दुनिया के बहकावे में आने के बजाय अपने मन-जीवन को साधना जरूरी है।

बढ़ने लगी है तुलनात्मक प्रवृत्ति

आज के दौर में स्क्रीन के जरिए दस्तक देता कंटेंट, हर उम्र के लोगों को कमतरी और बेहतरी के जाल में उलझा रहा है। शुभ कार्य हों या कोई व्यक्तिगत उपलब्धि, आभासी दुनिया में अजीब से नाप-तौल वाले मनोभावों से देखी, समझी और स्वीकारी जाने लगी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से लेकर फैमिली ग्रुप्स में शेयर की जाने वाली सूचनाओं और क्लिक्स तक, हर बात और जज्बात तुलना करने की सोच की ओर धकेल रहा है। इसके चलते मन में आने वाली अनचाही तल्खी, व्यावहारिक जिंदगी की भरपूर समझ होने के बावजूद, दिलो-दिमाग को बोझिल कर रही है। सुंदरता, सहृदयता और संपन्नता की जो चमक स्क्रीन पर तैरते अपडेट्स में दिखती है, वही जीवन का सच नहीं है, यह जानते-बूझते हुए भी रंग-रूप, कद-काठी और उपलब्धियों से लेकर खुशियों और उत्सवीय रंग-ढंग तक एक असंतोष की भावना पनप रही है। ध्यान रहे कि सोशल मीडिया के जरिए क्लिक भर में आप तक पहुंच जाने वाले कंटेंट से तुलना का भाव स्वयं यूजर्स में तो बढ़ ही रहा है। बाजार ने भी इसे बढ़ाया है क्योंकि यह भी एक तरह की मार्केटिंग स्ट्रेटेजी ही है।

गहरा होता है कमतरी का भाव

जाने-अनजाने लोगों के अपडेट्स देखकर पैदा हो रहा तुलना का भाव, खुद के जीवन में कमियां देखने को प्रेरित कर रहा है। इसके चलते हमारा मन रिश्तों, जीवनशैली और अपने हिस्से आए स्नेह-सम्मान की भी अनदेखी करने लगता है। नतीजतन जिंदगी की नेमतों को लेकर शुक्रिया कहने के भाव की जगह शिकायतों ने ले ली है। नोटिफिकेशन टोन के साथ पल-पल में अवतरित होते संदेश, सूचनाएं, चित्र, असंतुष्टि भरी सोच और बेचैनी भी साथ लाते हैं। विशेषज्ञ भी मानते हैं कि वर्चुअल दुनिया में अपने दोस्तों, रिश्तेदारों और दूसरे जाने-अनजाने चेहरों के अपडेट्स हर उम्र के लोगों के लिए व्यक्तिगत जीवन में असंतुष्टि की बड़ी वजह बन रहे हैं। स्मार्ट गैजेट्स की स्क्रीन के जरिए अमूमन अपनों-परायों तक अपनी कमियां, कमजोरियां और दिल की कसक नहीं पहुंचाई जाती। यह जानते-समझते हुए भी दूसरों के चमकदार, सफल और सुखी दिखते जीवन की वर्चुअल आभा में खुद को कहीं कमतर महसूस करने का भाव पनपने लगता है। नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए एक अध्ययन के मुताबिक आमतौर पर सोशल मीडिया पर लोग अपने बारे में सकारात्मक जानकारी ही प्रस्तुत करते हैं। फिल्टर्स का उपयोग करके अपनी उपस्थिति को और प्रभावी बना देते हैं। इसके चलते यह लगने लगता है कि हमारे मित्र या संबंधी कितने सुंदर हैं! कितने सफल हैं! इससे कई बार ऐसा भी लगने लगता है कि हमारे अलावा सब के पास सब कुछ है, सब बहुत खुश और संतुष्ट हैं, जबकि यह एक आभासी सोच भर होती है।

खो रहीं सहज-सी खुशियां

लगातार मिलने वाले सोशल मीडिया नोटिफिकेशंस के जरिए इंसानी व्यवहार और विचार में चाहे-अनचाहे स्क्रीन पर दिखी तस्वीरों, सूचनाओं और उपलब्धियों का ही लेखा-जोखा रहने लगता है। ऐसे में हम उस सुख को भी भूल जाते हैं, जो हमारी झोली में मौजूद होते हैं। इसकी वजह यह भी है कि वास्तविक दुनिया में तुलना करने के दायरे में बहुत कम लोग शामिल होते हैं। सोशल मीडिया का डिजिटल यूनिवर्स, दूसरों के साथ तुलना करने की स्थितियों को कई गुना बढ़ा देता है। समझना जरूरी है कि दूसरों की जिंदगी के वर्चुअल अपडेट्स में दिखने और होने के फर्क को समझते हुए अपने जीवन की सहजता को बनाए रखिए। अपनी खुशियों को जीने से दूरी मत बनाइए। *

सही नहीं सबका पीछा करना

दूसरों के मीडिया अपडेट्स के चलते मन में आ रही खिन्नता लोगों को उनका फॉलोअर बना देती है। हम हरदम यह जानने की कोशिश में लगे रहते हैं कि उनके ताजा अपडेट्स क्या हैं? आज उनकी क्या गतिविधियां हैं? अन्य लोग उनकी कैसे और कितनी सराहना कर रहे हैं? दूर बैठे लोगों की जिंदगी का पीछा करने की सोच से ऐसी बातों के चलते खुद आपके जज्बात बदलने लगते हैं। मन-जीवन में असंतोष भरी स्याह उदासी जगह बना लेती है। यहां तक कि ईर्ष्या का भाव भी पनपने लगता है। सोचने वाली बात यह है कि यह सब होने की कोई वास्तविक वजह ही नहीं होती है। सोच-समझकर दी गई जानकारियां और बना-संवारकर साझा की गई तस्वीरें लोगों को हैरान-परेशान करती हैं, जबकि खुद उनके ही द्वारा साझा की जा रही सामग्री के इतर उनके जीवन की असलियत का दूसरों को कोई अंदाजा ही नहीं। ऐसे में यह आदत बेवजह आपकी ऊर्जा और समय खपाने लगती है। सोशल मीडिया का उपयोग यूजर्स जिस इरादे से करते हैं, उनके मन-मस्तिष्क पर वैसा ही असर पड़ता है। बिना सोचे-समझे दूसरों के अपडेट्स के इंतजार में स्क्रीन स्क्रॉल करने से अवसाद और घबराहट पैदा होती है। जिन लोगों के अपडेट्स मन में भटकाव या नकारात्मक भाव लाते हैं, उन्हें अनफॉलो कीजिए। चिंतित और उदास महसूस करवाने वाले कंटेंट से दूरी बनाएं। वर्चुअल दुनिया हो या असल संसार औरों से ज्यादा अपनी जिंदगी में रुचि रखिए।

स्पेशलः वर्ल्ड सोशल मीडिया-डे, 30 जून

आज के दौर में अधिकांश लोग किसी न किसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से जुड़े हुए हैं। लेकिन हाल के सालों में देखने में आ रहा है कि इन पर दिन में कई-कई बार आने वाले नोटिफिकेशंस से लोगों का मन-जीवन बेचैन और अशांत होता जा रहा है। इसके पीछे क्या वजहें हैं, इनका क्या प्रभाव पड़ता है और इनसे कैसे बच सकते हैं, आपको जरूर जानना चाहिए।

भारत के सरकारी स्पेस इंस्टीट्यूट इसरो की उपलब्धियां तो जगजाहिर हैं ही, अब इसी के नक्शेकदम पर चलते हुए कई स्पेसटेक निजी कंपनियां भी देश-दुनिया में अपनी धाक जमा रही हैं। स्पेसटेक के क्षेत्र में नित नई ऊंचाई हासिल कर रही देश की प्राइवेट स्पेसटेक कंपनियों की अचीवमेंट पर एक नजर।

अंतरिक्ष में नई ऊंचाइयां छू रहीं देश की निजी स्पेसटेक कंपनियां

{ अचीवमेंट / संजय श्रीवास्तव }

हाल में 'गैलेक्सआई' द्वारा मिशन दृष्टि नामक दुनिया का पहला ऑप्टोसार उपग्रह सफलतापूर्वक लॉन्च करने के बाद दुनिया भर की मीडिया में भारत की निजी स्पेस कंपनियों की कम लागत के साथ तकनीकी दक्षता तथा इस आधार पर वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में उनकी तीव्र बढ़त की चर्चा हो रही है।

गैलेक्सआई ने रचा इतिहासः जब भारत ने 'मिशन दृष्टि' के तहत 190 किलो वजनी दुनिया का पहला ऑप्टोसार उपग्रह अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित वैंडेनबर्ग स्पेस फोर्स बेस से स्पेसएक्स के फाल्कन 9 रॉकेट के जरिए प्रक्षेपित किया, तब बहुतों ने गैलेक्सआई का नाम पहली बार सुना। देश ने स्पेस तकनीकी क्षमता का लोहा वैश्विक स्तर पर मनवाया हो और खबरों में इसरो की जगह देश के सबसे बड़ा पृथ्वी अवलोकन उपग्रह बनाने वाली किसी ऐसी निजी कंपनी का नाम सुर्खियों में शामिल हो, जिसके अस्तित्व में आए महज पांच साल हुए हैं, ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। इतने कम समय में यह अनूठी सफलता हासिल कर इसने बता दिया है कि भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र की प्रगति कितनी तेज गति से हो रही है।

बहुपयोगी है इसकी तकनीकः गैलेक्सआई द्वारा लांच मिशन दृष्टि की ऑप्टोसार तकनीक में इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल यानी ईओ और सिंथेटिक, पर्चर रडार या एसएआर सेंसर को एक ही प्लेटफॉर्म पर जोड़ा गया है। इस संयोजन के कारण यह उपग्रह हर मौसम और दिन-रात में डेटा संग्रह करने में सक्षम है। यह क्षमता अब तक सीमित देशों या अलग-अलग प्रणालियों में बंटी हुई थी, जबकि भारत ने इसे एकीकृत रूप में प्रस्तुत किया है। वैश्विक संदर्भ में देखें तो अमेरिका, चीन और कुछ यूरोपीय देश पृथ्वी अवलोकन में अग्रणी रहे हैं, लेकिन रणनीतिक दृष्टि से 'गेम चेंजर' ऑप्टोसार तकनीक जैसी एकीकृत प्रणाली भारत को तकनीकी बढ़त देती है। यह उपग्रह सेना को डेढ़ मीटर के दायरे में सीमा पार की सटीक जानकारी देगा। कृषि मॉनिटरिंग, आपदा प्रबंधन, तटीय सुरक्षा और शहरी नियोजन जैसे क्षेत्रों में इसकी उपयोगिता व्यापक है। बाढ़ या चक्रवात के समय यह त्वरित और सटीक डेटा निर्णय लेने की क्षमता को कई गुना बढ़ा सकता है। इस प्रकार 'मिशन दृष्टि' ड्यूल-यूज टेक्नोलॉजी का उत्कृष्ट उदाहरण है, जिससे नागरिक और सैन्य दोनों लाभ एक साथ प्राप्त होंगे।

कई और कंपनियां भी हैं एक्टिवः गैलेक्सआई तो महज एक उदाहरण है, देश में इसरो के साथ मिलकर काम करने वाली कॉमर्शियल स्पेस इंडस्ट्री स्टैब्लिश हो चुकी है। अनुमान है कि फिलवक्त निजी क्षेत्र में 400 स्पेसटेक स्टार्टअप काम कर रहे हैं। 150 से ज्यादा कंपनियां छोटे उपग्रह, लॉन्च व्हीकल्स, अर्थ ऑब्जर्वर और एआई एनालिटिक्स आदि पर शानदार काम कर रही हैं। स्काईरूट एयरोस्पेस, जिसने निजी क्षेत्र का पहला सफल रॉकेट विक्रम एस. बनाया और हाइपरस्पेक्ट्रल इमेजिंग में वैश्विक पहचान बनाने वाली पिक्सेल कंपनी से सभी परिचित हैं। अग्निकुल कॉस्मॉस, जो थ्री-डी प्रिंटेड इंजन अग्निलेट का निर्माण कर सुर्खियों में आई थी, अब उपग्रहों के लिए स्पेसएक्स की स्पेस बस की अवधारणा से उलट एक स्पेस 'टैक्सी' बनाना चाहती है। थ्री-डी प्रिंटरों का उपयोग करके, यह फॉलकन 9 से छोटे और दोबारा इस्तेमाल होने वाले रॉकेट बनाने की सोच रहा है, जिन्हें ग्राहक की इच्छानुसार कहीं से भी लॉन्च किया जा सकता है और उनके उपग्रह को ठीक उसी कक्षा में सटीकता से स्थापित किया जा सकता है, जिसकी उसे जरूरत है। मुमकिन है कि इस साल के अंत तक वह लक्ष्य पा लें। दिगांत्रा कंपनी एक कक्षीय हवाई-यातायात नियंत्रक के रूप में काम कर रही है, जो विभिन्न कंपनियों के उपग्रहों के अंतरिक्ष मलबे से टकराने के जोखिम की निगरानी में मदद करती है।

हो रहा वैश्विक प्रसारः देश की ये स्पेसटेक कंपनियां देश से बाहर भी अपनी धाक जमा रही हैं। आज पिक्सेल नासा के साथ डेटा साझेदारी कर रही है, तो स्काईरूट अंतरराष्ट्रीय ग्राहक लॉन्च सेवाएं दे रही है और ध्रुव स्पेस ग्लोबल सैटेलाइट सेवाओं में आगे है। इसी तरह तमाम निजी स्पेस कंपनियां विभिन्न परियोजनाओं पर काम कर रही हैं यानी शोधरत हैं। भारतीय प्राइवेट स्पेस कंपनियों की बढ़ती प्रसिद्धि के पीछे कारण यह है कि भारतीय स्पेसटेक कंपनियों का मॉडल 'कम लागत पर उच्च-दक्षता नवाचार' पर आधारित है। स्पेस टेक की दिशा में भारत अब 'सेवा प्रदाता' से 'तकनीक प्रदाता' बन रहा है। इसीलिए उम्मीद की जा रही है कि भारतीय स्पेसटेक व्यापार 2030 तक 40 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। *

{ गजल / डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग' }

भूल गए हैं लोग सलीका

भूल गए हैं लोग सलीका आमंत्रण का,
भाव नहीं दिखता आंखों में अपनेपन का।
भरमाने वाले पेड़ों की भीड़ लगी है,
मोल नहीं होता कानन में अब चंदन का।
याद किसी की आने पर सर दीवारों से
टकराए तो दोष नहीं होता दरपन का।
इकदिन उम्र ढला करती है सबकी जग में,
धीरे-धीरे रंग उतरता है आनन का।
साथ न हो गर मन का मीत सफर में 'नवरंग'
लगने लगता है हर मौसम फिर बेमन का।

{ व्यंग्य / सूर्यदीप कुशवाहा }

मेहमान इन पकवानों पर ऐसे टूट पड़ते हैं, जैसे इसके बाद कभी उन्हें खाना मिलेगा ही नहीं। एक तरफ मेहमान पकवान उड़ाते हैं, उधर लड़की के बाप का बीपी बढ़ता जाता है।

शादी का झमेला

आजकल समाज में शादी-ब्याह केवल दो आत्माओं का मिलन नहीं, बल्कि दो परिवारों के बैंक बैलेंस, प्रतिष्ठा और धैर्य की परीक्षा का महायज्ञ बन गया है। यह वह अवसर होता है, जब एक अदना-सा इंसान अचानक शादी समारोह प्रबंधक बन जाता है और अपनी सारी जमापूंजी, साख और यहां तक कि भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए रखी गई पूंजी भी एक रात के दिखावे में झोंक देता है।

समारोह में दुल्हन को इतना पेंट किया जाता है कि पेंट किया हुआ घर भी फीका दिखने लगता है। चेहरे पर पुताई की इतनी परतें होती हैं कि अगर दुल्हन को छींक आ जाए, तो आस-पास के लोग उस गुबार से लाल हो जाएं। इसे ब्राइडल ग्लो कहा जाता है, जो सुबह होते ही वॉटरप्रूफ न होने की स्थिति में बह जाता है। आम धारणा है कि दुल्हन का लहंगा भी उतना ही भारी होना चाहिए, जितना दुल्हन के पिता का सिर कर्ज के बोझ से भारी हो जाता है।

शादी समारोह अब रिश्तों का उत्सव कम और कॉम्पिटिशन ज्यादा बन गया है। पड़ोसी की बेटी की शादी में पचास पकवान थे, तो हमें शुभ इक्यावन करने ही होंगे। चाहे इसके लिए पिता को क्यों न बैंक से लोन लेना पड़े। लगन के इस मौसम में सबसे ज्यादा प्रभाव उस मध्यमवर्गीय पिता पर होता है, जो तीन घंटे के दिखावे के लिए तीस साल की कमाई स्वाहा कर देता है। मेहमानों को खिलाने के लिए मेनू में तरह-तरह के व्यंजन होते हैं, जिसमें से अधिकतर मेहमान केवल वही स्पेशल डिश खाते हैं, जो उनके घर में नहीं बनते हैं। मेहमान इन पकवानों पर ऐसे टूट पड़ते हैं, जैसे इसके बाद कभी उन्हें खाना मिलेगा ही नहीं। एक तरफ मेहमान पकवान उड़ाते हैं, उधर लड़की के बाप का बीपी बढ़ता जाता है। यह ऐसा मेला है, जहां रिश्तेदार यह देखने आते हैं कि हलवाई ने पनीर की सब्जी में पनीर डाला था या सिर्फ ग्रेवी? वास्तव में शादी में आए मेहमानों का मुख्य उद्देश्य दूल्हा-दुल्हन को आशीर्वाद देना नहीं, बल्कि समारोह में कमियां उघाड़ना होता है। बिना बात नाराज होने वाले दूल्हे के फूफाजी अगर पनीर के चार टुकड़े खा लें तो यह उनकी दयालुता मानी जाती है। ये वही लोग होते हैं, जो अपनी बेटी की शादी में सबसे कंजूसी करते हैं, लेकिन दूसरे की शादी में फाइव स्टार होटल जैसी सुविधा चाहते हैं। इनके लिए शादी एक फ्री फूड फेस्टिवल होता है, जहां वे वीआईपी बन अपनी पसंद का खाना न मिलने पर दुल्हन के पिता को कोस और लताड़ सकते हैं। लेकिन समारोह का असली मजा या सजा सड़क पर बारात के रूप में मिलता है। डीजे वाले बाबू चाहे कैसा भी गाना बजाएं, बारातियों को तो बस वही एक स्टेप आता है-नागिन डांस। ऐसा लगता है जैसे सांपों ने पूरी बारात को डस लिया हो। दूल्हा घोड़ी पर बैठा ऐसे मुस्कुराता है, जैसे उसने देश के लिए स्वर्ण पदक जीता हो, जबकि सच्चाई यह है कि वह कुछ ही देर में स्वतंत्रता से परतंत्रता की ओर कदम बढ़ाने वाला होता है।

हर कोई चाहता है कि उसकी शादी यादगार हो। शायद इसीलिए आज के दौर में शादी समारोह समाज के सामने अपनी औकात बताने का एक जरिया बन गया है। शादी के बाद दूल्हा-दुल्हन शान से नई कार में घूमते हैं और पीछे दुल्हन के पिता उस कार की ईएमआई भरते हैं। इसे ही लड़की का बाप कहते हैं। *

{ पुस्तक चर्चा / मेनका त्रिपाठी }

संवेदना-संघर्ष का कथालोक

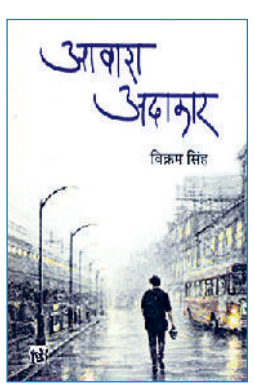

हाल में प्रकाशित हुआ विक्रम सिंह का कहानी-संग्रह 'आवारा अदाकार' समकालीन जीवन की जटिलताओं, विडंबनाओं और मानवीय संघर्षों के दस्तावेज की तरह है। उनकी कहानियों में एक ओर यथार्थ की खुरदुरी जमीन दिखाई देती है, तो दूसरी ओर कल्पना की ऐसी ऊंचाई भी, जो साधारण जीवन को अर्थपूर्ण बना देती है। यही कारण है कि उनकी कहानियां केवल घटनाओं का विवरण नहीं लगतीं, बल्कि पाठक के भीतर संवेदना और विचार दोनों को जगाती हैं।

लेखक ने खाड़ी देशों में संघर्षरत मजदूरों की पीड़ा, कोरोना काल की त्रासदी, बेरोजगार युवाओं की बेचैनी, इंटरनेट ठगी और आभासी रिश्तों के खोखलेपन जैसे समकालीन विषयों को अत्यंत संवेदनशीलता से उठाया है। वे केवल दुख की दास्तां नहीं सुनाते, बल्कि जीवन की कठोर परिस्थितियों के बीच मनुष्य की जिजीविषा और छोटे-छोटे सुखों की तलाश को भी रेखांकित करते हैं। उनकी भाषा सहज, प्रवाहपूर्ण और आज के जीवन के जीवंत मुहावरों से भरपूर है। संवादों में स्वाभाविकता है, जिससे पात्र पाठक के बेहद करीब आ जाते हैं। हालांकि, विविध विषयों के कारण कहीं-कहीं कथ्य का हल्का बिखराव दिखाई देता है, फिर भी उनकी रचनात्मक ईमानदारी और मानवीय दृष्टि इस कमी को ढंक लेती है। *

पुस्तकः आवारा अदाकार (कहानी संग्रह), **लेखकः** विक्रम सिंह,
मूल्यः 250 रुपए, **प्रकाशकः** लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज

हरिभूमि
रविवार भारती
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 28 जून 2026

{ टूरिस्ट प्लेसेस / समीर चौधरी }

बाली-मालदीव जैसे ही अमेजिंग हैं ये भारतीय द्वीप-समुद्र तट

खूबसूरत समुद्र तट और द्वीपों का शानदार नजारा देखने के लिए अनेक टूरिस्ट, बाली या मालदीव का रुख करना पसंद करते हैं। जबकि अपने देश भारत में भी कुछ ऐसे द्वीप और समुद्र तट मौजूद हैं, जो किसी मायने में बाली-मालदीव से कम नहीं हैं। कौन से हैं ये अमेजिंग टूरिस्ट प्लेसेस और क्या हैं इनकी खासियतें, जानकर आप भी इनका दीदार करने से खुद को रोक नहीं पाएंगे।

मिनी मालदीव जैसा तर्कारली-मालवण, महाराष्ट्र

महाराष्ट्र के कोंकण तट पर तर्कारली व मालवण को महाराष्ट्र का मिनी मालदीव भी कहा जाता है। दरअसल, यहां का साफ पानी पर्यटकों का मन मोह लेता है। सिंधुदुर्ग जिले में स्थित यह तट सी बीचेज, शांत बैकवाटर्स के लिए जाना जाता है। यहां स्कूबा डाइविंग, स्नोरकेलिंग या पैरासेलिंग जैसे वाटर स्पोर्ट्स और एक्टिविटीज बहुत कम खर्च में उपलब्ध हैं। तर्कारली में आपको स्थानीय कोंकणी संस्कृति देखने को मिलेगी। सिंधुदुर्ग किले में बोट राइड्स का आनंद लिया जा सकता है। यहां के स्थानीय रेस्तराओं में मालवणी सीफूड थाली का लुत्फ उठाया जा सकता है। यहां पहुंचने के लिए सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन कुडाल और सिंधुदुर्ग हैं। यह स्थल गोवा एयरपोर्ट से कुछ ही घंटों के फासले पर है। *

शांत समुद्री किनारे वाला स्वराज द्वीप, अंडमान

स्वराज द्वीप (पुराना नाम-हेवलॉक द्वीप) आपको जीवंत ट्रॉपिकल द्वीप का अनुभव प्रदान करता है। यह अंडमान व निकोबार द्वीप समूह का हिस्सा है और अपने शानदार सी बीचेज के लिए विख्यात है। यहां गोताखोरी का आनंद खूब लिया जाता है। यहां जंगलों से भरे समुद्र के किनारे हैं और वातावरण बिल्कुल शांत रहता है। इस द्वीप का मुख्य आकर्षण राधानगर बीच है, जो अपने सफेद रेत के कारण एशिया के सबसे आकर्षक सी बीचेज में गिना जाता है। यहां डूबते हुए सूरज का नजारा देखने लायक होता है। पर्यटक यहां विभिन्न वाटर स्पोर्ट्स का भी मजा ले सकते हैं। यहां जाने का सबसे आसान रास्ता यह है कि पोर्ट ब्लेयर के अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर फ्लाइट से उतरने के बाद स्वराज द्वीप के लिए फेरी ले ली जाए, जो डेढ़ से ढाई घंटे के बीच में आपको द्वीप पर पहुंचा देगी। *

मालदीव का एहसास कराता लक्षद्वीप

भारत में मालदीव से सबसे अधिक मिलती-जुलती जगह लक्षद्वीप है। छोटे-छोटे कोरल द्वीप, नीले रंग के शानदार शेड्स में छोटे-छोटे लगून और भीड़-भाड़ से दूर सफेद रेत के समुद्र तट। ये सब समानताएं एकदम मालदीव में होने का एहसास कराती हैं। अरब सागर में केरलम के तट पर फैला हुआ लक्षद्वीप 36 कोरल द्वीपों से बना हुआ है, हालांकि इनमें से कुछ द्वीप ही पर्यटकों के लिए खुले हुए हैं। अगत्ती, बंगाराम और थिन्नाकारा द्वीपों पर लोग अधिक जाना पसंद करते हैं, विशेषकर वे टूरिस्ट, जो शांत, एकांत में स्टे को प्राथमिकता देते हैं। यहां आप कोरल रीफ पर स्नोरकेलिंग, शांत लगूनों में कयाकिंग, स्कूबा डाइविंग के जरिए फिश के साथ गोता लगाते हुए या समुद्र के किनारे चहलकदमी करने का आनंद ले सकते हैं। लक्षद्वीप पहुंचने के लिए अगत्ती मुख्य प्रवेश द्वार माना जाता है क्योंकि द्वीपों के इस समूह में केवल यहीं पर एकमात्र एयरपोर्ट है। कोच्ची से यहां पहुंचने में लगभग 90 मिनट की हवाई यात्रा करनी होती है। *

पर्यटकों-योगप्रेमियों के लिए जन्नत के जैसा गोकर्ण, कर्नाटक

कर्नाटक में स्थित गोकर्ण, दिलकश तटीय आकर्षण से आध्यात्मिकता का मिलन कराता है। यहां महाबलेश्वर मंदिर साल भर भक्तों को आकर्षित करता है और शांत बीच जैसे ओम, कुड्ले व हाफ मून पर्यटकों और योग प्रेमियों के लिए जन्नत हैं। यहां आप चट्टानों के पास वाकिंग, बीचसाइड कैफे में खाने-पीने के साथ वाटर स्पोर्ट्स का आनंद ले सकते हैं। अरब सागर के किनारे रिलैक्स भी कर सकते हैं। गोकर्ण का ग्रामीण एहसास इसे और अनोखा बना देता है। *

बाली के सर्फ-टाउन जैसा नजारा वर्कला, केरलम

जो पर्यटक बाली की सर्फ-टाउन एनर्जी से आकर्षित होते हैं, उन्हें वर्कला में लगभग वही वातावरण मिलेगा। यह केरलम के दक्षिणी तट पर स्थित है। यह टाउन लाल चट्टानों के इर्द-गिर्द बसा हुआ है, जहां के होमस्टे से अरब सागर का नजारा मिलता है। उत्तरी चट्टान क्षेत्र, समय गुजारने के लिए सबसे अच्छी जगह है। यहां स्मूदी कैफे, सफर स्कूल, आयुर्वेदिक मसाज केंद्र और रूफटॉप स्पॉट्स हैं, जहां शाम गुजारते हुए आनंद आ जाता है जो रात तक जारी रहता है। सर्फिंग वर्कला की पहचान बन गई है। यहां आने वाले पर्यटक बाली की तरह ही सप्ताह भर का सर्फ व स्टे पैकेज लेते हैं। यहां तक पहुंचने के लिए करीबी रेलवे स्टेशन वर्कला सिवगीरी है। *

अनिश्चित परिस्थितियों में ऐसे रहें आर्थिक रूप से सुरक्षित

{ अवेयरनेस / शिखर चंद जैन }

हालांकि ईरान-अमेरिका में अभी युद्ध विराम चल रहा है, लेकिन अभी भी परिस्थितियां अनिश्चित बनी हुई हैं। ऐसे में आने वाले दिनों में आर्थिक परिदृश्य क्या होगा, कुछ नहीं कहा जा सकता। इसलिए समझदारी इसी में है अपनी आर्थिक योजनाएं समझदारी से बनाई जाएं। आपके लिए उपयोगी सलाह।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की हालिया रिपोर्टों और कई अर्थशास्त्रियों के अनुसार, मध्य-पूर्व में हुए युद्ध से वैश्विक अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हुआ है। अगर आने वाले दिनों में शांति बरकरार रहती है तो भी आर्थिक दशा पहले जैसी होने में कई महीने से लेकर कुछ साल लग सकते हैं। ऐसे में व्यक्तिगत आर्थिक सुरक्षा और वित्तीय स्थिरता के लिए कुछ बातों पर ध्यान देना जरूरी है।

मुद्रास्फीति का प्रभाव: युद्ध और आपूर्ति श्रंखला में रुकावटों के कारण ऊर्जा, खाद्य और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में तेजी का रुख है। आमदनी का बड़ा हिस्सा खर्च होने से बचने के लिए बजट में कटौती और गैर-जरूरी खर्चों को रोकना जरूरी है।

इमरजेंसी फंड: आर्थिक मंदी या नौकरी के संकट के समय कम से कम 6 से 12 महीने का मासिक खर्च इमरजेंसी फंड में रखना चाहिए। इसे आसानी से निकाले जा सकने वाले साधनों या सेविंग एकाउंट में रखना बहुत उपयोगी होता है।

सुरक्षित निवेश: संकट के समय शेयर बाजारों में भारी उतार-चढ़ाव आते हैं। जैसा पिछले तीन महीने तक लगातार चले युद्ध के दौरान हम सबने देश-दुनिया में देखा। ऐसे में वित्तीय सलाहकार गोल्ड या सॉवरेन बॉन्ड जैसे सुरक्षित और स्थिर निवेश विकल्पों को पोर्टफोलियो का हिस्सा बनाने की सलाह देते हैं।

लोन-ईएमआई का प्रबंधन: बढ़ती ब्याज दरों के कारण लोन की किस्तें बढ़ सकती हैं। इसलिए सबसे पहले महंगे कर्ज (जैसे पर्सनल लोन या क्रेडिट कार्ड का बकाया) को चुकाना चाहिए ताकि मासिक बोझ कम हो सके। इससे आप काफी राहत महसूस करेंगे।

स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग: वैश्विक तनाव के कारण विदेशों से आयातित सामानों की कीमत और उपलब्धता प्रभावित हो जाती है। साथ ही देश की मुद्रा भी प्रभावित होती है। इसलिए अपने दैनिक जीवन और व्यापार में स्थानीय उत्पादों का उपयोग बढ़ाना सुरक्षित रहता है। इसलिए देश में बनने वाली चीजें ही खरीदें।

आय के नए स्रोत अपनाएं: नौकरी जाने से होने वाले संकट से बचने के लिए स्किल्स को अपग्रेड करते रहें और फ्रीलांसिंग, निवेश या ऑनलाइन माध्यमों से आय के अतिरिक्त स्रोत बनाने पर ध्यान दें, ताकि आय का एक स्रोत बाधित हो तो दूसरे का सहारा मिले।

महंगी देनदारियों से छुटकारा पाएं: हाई इंट्रेस्ट वाले लोन, जैसे क्रेडिट कार्ड का बकाया या पर्सनल लोन में आपकी मेहनत की कमाई का एक बड़ा भाग खर्च होता है और आपकी बचत कमजोर होती है। ऐसे में आप इन उच्च ब्याज वाले कर्ज का भुगतान जल्द से जल्द करें। इससे जो पैसा आप ब्याज बचाने में लगाते हैं, उसे रिटायरमेंट फंड में निवेश किया जा सकता है।

पर्याप्त बीमा कवर करें: अचानक कोई बीमारी या दुर्घटना होने पर किसी पर भी भारी आर्थिक बोझ पड़ जाता है। इससे राहत के लिए टर्म लाइफ इंश्योरेंस और हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसीज जरूर लेना चाहिए।

समय के साथ रिटायरमेंट फंड बढ़ाएं: महंगाई दर समय के साथ पैसे के मूल्य को कम करती है। आपकी लाइफस्टाइल और खर्च रिटायरमेंट के समय तक बढ़ जाएंगे। इसलिए अपनी रिटायरमेंट योजना की नियमित रूप से समीक्षा करें (कम से कम सालाना)। जैसे-जैसे आपकी इनकम बढ़ती है (वेतन वृद्धि, बोनस), अपने मंथली रिटायरमेंट इन्वेस्टमेंट फंड को भी बढ़ाएं।

कहने का सार है कि इस दौर में सही इंवेस्टमेंट, सेविंग्स और बजट से ना केवल आपको फाइनेंसियल सिक्योरिटी मिलेगी, बल्कि फ्यूचर की कई परेशानियों से भी बचा जा सकता है। *

(वित्तीय सलाहकार प्रदीप अग्रवाल और चार्टर्ड एकाउंटेंट शुभम तोदी से बातचीत पर आधारित)

दुनिया की सबसे खूबसूरत नदियां

{ प्रकृति / अंजू जैन }

देश-दुनिया में अनेक ऐसी नदियां हैं, जो अपनी विविध उपयोगिताओं के साथ-साथ अपने अद्भुत सौंदर्य के लिए भी जानी जाती हैं। विश्व की कुछ सबसे खूबसूरत नदियों के बारे में जानिए।

नदियां इस धरती पर मानव सभ्यता के विकास का केंद्र रही हैं। इसके अलावा यातायात का अनूठा मार्ग होने के साथ ही ये किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण होती हैं। इसके अलावा कई शहरों में पेय जल की आपूर्ति और सिंचाई के लिए भी नदियों का उपयोग सदियों से होता आ रहा है। इन खूबियों के अलावा देश-दुनिया भर में कई नदियां अपनी प्राकृतिक सुंदरता, ऐतिहासिक महत्व और अद्भुत पारिस्थितिकी के लिए भी जानी जाती हैं।

कानो क्रिस्टेलस कोलंबिया: कोलंबिया के मेटा प्रांत में सेरानिया-डे ला मैकेरेना नेशनल पार्क में स्थित यह नदी बेहद खूबसूरत और जादुई लगती है। यह अपनी प्राकृतिक सुंदरता और रंग बदलने की क्षमता के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। कानो क्रिस्टेलस की यात्रा आपको प्रकृति के बिल्कुल करीब ले जाती है और यह ईको-टूरिज्म का एक बेहतरीन उदाहरण है। इसे पांच रंगों की नदी भी कहा जाता है। पानी का रंग बदलने का मुख्य कारण नदी में मौजूद मैक्रेनिया क्लेविगेरा नामक शैवाल हैं। बारिश के मौसम में जब इनको सही धूप और पानी मिलता है, तो ये चमकीले लाल और अन्य रंगों में खिल जाते हैं। इन्हीं के कारण पानी के नीचे लाल, पीला, हरा, नीला और काला रंग दिखाई देता है। इसीलिए कानो क्रिस्टेलस नदी को लिक्विड रेनबो यानी तरल इंद्रधनुष भी कहते हैं। यह अद्भुत नजारा मुख्य रूप से जुलाई से नवंबर के बीच (वर्षा ऋतु के दौरान) दिखाई देता है।

ली नदी, चीन: चीन की 'ली' नदी के आस-पास स्थित नुकीले चूना पत्थर के पहाड़ इसे किसी पारंपरिक चीनी पेंटिंग जैसा दृश्य प्रदान करते हैं। गुइलिन से यांग्शुओ तक बहने वाली यह नदी चूना पत्थर के ऊंचे पहाड़ों के बीच से गुजरती है। यह दृश्य इतना आइकॉनिक है कि इसे चीन के 20 युआन के नोट पर भी दर्शाया गया है। सदियों से इस नदी ने चीनी चित्रकारों और कवियों को प्रेरित किया है।

सोका नदी स्लोवेनिया: यह नदी अपनी शुद्धता और पन्ना जैसे हरे रंग के कारण प्रसिद्ध है। इसे प्यार से 'पन्ना ब्यूटी' कहा जाता है। यह नदी आल्प्स पर्वतमाला से निकलती है और अपनी पूरी लंबाई के दौरान अपना जादुई रंग बरकरार रखती है, जो कि बहुत दुर्लभ है। जुगैलियन आल्प्स से बहने वाली यह नदी अत्यधिक साफ-सुथरी होने के लिए भी जानी जाती है।

फुटालेउफू नदी अर्जेंटीना/चिली: फुटालेउफू नदी अर्जेंटीना और चिली के उत्तरी पेटागोनिया क्षेत्र में स्थित एक बेहद शानदार और प्राकृतिक रूप से समृद्ध नदी है। पेटागोनिया के पहाड़ों से निकलने वाली यह नदी अपने आश्चर्यजनक रूप से साफ, फिरोजी नीले पानी और शानदार राफ्टिंग रूट्स के लिए जानी जाती है। यह अपनी बेमिसाल सुंदरता, उग्र जलधाराओं और विश्व-स्तरीय साहसिक खेलों के केंद्र के रूप में दुनियाभर में मशहूर है। मापुचे भाषा में 'फुटालेउफू' का अर्थ 'बड़ी नदी' होता है। स्थानीय लोग इस घाटी को 'उन पैसजे पिंटाडो पोर डियोस' अर्थात ईश्वर द्वारा चित्रित परिदृश्य कहते हैं। इस नदी का उद्गम, अर्जेंटीना के यूनेस्को संरक्षित लॉस एलेर्सेस राष्ट्रीय उद्यान के हिमनदों की पिघली हुई बर्फ से होता है। यह नदी अर्जेंटीना और चिली देश की सीमा को पार करती है। यह चिली के बेहद खूबसूरत लॉस लागोस क्षेत्र से बहते हुए अंततः प्रशांत महासागर में जाकर गिरती है। फुटालेउफू नदी दुनिया के बेहतरीन व्हाइटवॉटर कयाकिंग और राफ्टिंग स्थलों में से एक है। इसके तीव्र बहाव, क्रिस्टल-क्लियर नीले पानी और विशाल घाटी के बीच राफ्टिंग करने का अनुभव रोमांच प्रेमियों के लिए खास है। *

अत्यंत स्वच्छ-सुंदर नदी उमंगोट

अपने देश के मेघालय की दावकी नदी के नाम से मशहूर उमंगोट नदी दुनिया की सबसे साफ नदियों में से एक है। इसका पानी इतना पारदर्शी है कि इसमें चलने वाली नाव हवा में तैरती हुई सी प्रतीत होती है। यह नदी अपनी असाधारण पारदर्शिता के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है। इसका पानी इतना साफ है कि नदी तल के पत्थर और मछलियां 8 मीटर की गहराई तक स्पष्ट दिखाई देते हैं। यह नदी भारत और बांग्लादेश के बीच एक प्राकृतिक सीमा बनाती है। स्थानीय समुदायों द्वारा इसकी स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाता है।

एक्शन-रोमांच से भरपूर 'अल्फा' का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद रोमांचक रहा: आलिया भट्ट

आगामी 3 जुलाई को रिलीज होने वाली यशराज बैनर की फिल्म 'अल्फा' में आलिया भट्ट लीड रोल में नजर आएंगी। इस फिल्म में वह जबर्दस्त एक्शन करती दिखेंगी। यह फिल्म उन्होंने क्यों एक्सेप्ट की? अनिल कपूर और बॉबी देओल के साथ एक्टिंग करने के कैसे एक्सपीरियंस रहे? इस फिल्म के साथ प्रोफेशनल-पर्सनल लाइफ से जुड़े सवाल आलिया भट्ट से।

{ खास मुलाकात / आरती सक्सेना }

बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस में शुमार आलिया भट्ट इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'अल्फा' को लेकर चर्चा में हैं। आलिया अपनी इस फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित हैं। हाल ही में आलिया भट्ट ने फिल्म 'अल्फा' में काम करने के अनुभव के साथ-साथ अपनी प्रोफेशनल-पर्सनल लाइफ को लेकर खास बातचीत की। पेश है इस बातचीत के प्रमुख अंश-

अपनी आगामी फिल्म 'अल्फा' को लेकर आप इन दिनों बहुत उत्साहित हैं। इस फिल्म में काम करने का आपका अनुभव कैसा रहा ?

'अल्फा' की शूटिंग करते हुए मैंने बहुत अच्छा समय बिताया। यह किसी फिल्म के सेट पर मेरे सबसे मजेदार और यादगार अनुभवों में से एक रहा। यशराज के स्पाई यूनिवर्स बैनर के एक्शन-रोमांच से भरे इस भव्य प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद रोमांचक रहा। इस फिल्म को करते वक्त मैंने उन चैलेंजेज को फेस किया, जिनका मैंने पहले कभी अनुभव नहीं किया था। मैं इस एक्शन एंटरटेनर फिल्म के सेट पर जाने के लिए हमेशा उत्साहित रहती थी। मैंने इसका हर मिनट पूरी तरह से एंज्वॉय किया।

'अल्फा' के एक सीन में शरवरी वाघ के साथ आलिया भट्ट

इस फिल्म को साइन करते वक्त फिल्म की कौन-सी बात ने आपको सबसे ज्यादा प्रभावित किया ?

वैसे तो इस फिल्म में बहुत सारी बाते हैं, जिसने मुझे फिल्म करने के लिए इंस्पायर किया, लेकिन मुझे सबसे ज्यादा यह बात पसंद आई कि इस फिल्म के केंद्र में दो महिलाएं हैं, जो पूरी एक्शन स्टोरी को आगे बढ़ा रही हैं। बॉलीवुड फिल्मों में ऐसा हमें बहुत कम देखने को मिलता है। 'अल्फा' एक एटीट्यूड का जश्न है।

इस फिल्म में आप के साथ शरवरी वाघ, अनिल कपूर और बॉबी देओल भी हैं, इन सभी के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा ?

'अल्फा' फिल्म में काम करने के अनुभव को और भी खास बनाने वाली बात यह थी कि मुझे इतने शानदार लोगों के साथ काम करने का मौका मिला। चाहे फिल्म के निर्देशक शिव रवैल हों, हमारे को-एक्टर्स शरवरी, अनिल कपूर और बॉबी देओल हों या एक्शन टीम और पर्दे के पीछे काम करने वाला पूरा क्रू ही क्यों ना हो, इस फिल्म को लेकर सभी के भीतर जबरदस्त उत्साह था। वो एनर्जी, वो वाइब दर्शकों को पर्दे पर भी दिखाई देगी।

'अल्फा' फिल्म के लिए भारत के सबसे तेज धावक गुरिंदरवीर सिंह ने आप को स्पेशल ट्रेनिंग दी है, इस बारे में कुछ बताएंगी ?

हां, भारत के सबसे तेज धावक गुरिंदरवीर सिंह ने इस फिल्म के लिए मुझे बहुत अच्छी ट्रेनिंग दी है। मैंने उनसे जिंदगी जीने का असली फलसफा भी सीखा है कि जिंदगी में कभी हार नहीं माननी चाहिए, हमेशा हौसले बुलंद रखने चाहिए।

'अल्फा' के अलावा आप और कौन-कौन सी फिल्में कर रही हैं ?

संजय लीला भंसाली की अपकमिंग फिल्म 'लव एंड वॉर' कर रही हूं। इसके अलावा 'चामुंडा', 'जी ले जरा' जैसी कुछ फिल्में लाइनअप हैं।

आपके पसंदीदा डायरेक्टर्स कौन हैं, जिनके साथ आप काम करने की इच्छा रखती हैं ?

मैं राजकुमार हिरानी, अयान मुखर्जी और जोया अख्तर के साथ फिल्म करने की इच्छा रखती हूं। ये सभी मेरे पसंदीदा डायरेक्टर्स हैं।

आपके कोई तीन सीक्रेट्स या कमजोरी, जो आप अपने फैंस के साथ शेयर करना चाहेंगी ?

(हंसते हुए) मुझे अंधेरे से डर लगता है, मुझे जोर से डकार लेने की आदत है और मैं इमोशनल सॉन्ग्स सुनकर कई बार रो पड़ती हूं। इन्हें आप मेरी वीकनेस मान सकती हैं। *

सब मैनेज करना पड़ता है

आलिया सक्सेसफुल एक्ट्रेस होने के साथ-साथ एक अच्छी वाइफ और मां भी हैं। पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के बीच बैलेंस बनाना, उनके लिए कितना आसान या मुश्किल होता है? यह पूछे जाने पर आलिया कहती हैं, 'आसान तो कुछ भी नहीं होता, सब मैनेज करना पड़ता है। लेकिन मैं यह भी कहना चाहूंगी कि अगर आपको घर वालों का सपोर्ट मिले तो कई सारी मुश्किलें आसान हो जाती हैं। मुझे अपनी फैमिली का प्यार और सपोर्ट किसी न किसी रूप में मिलता रहता है। फिर चाहे मेरे पति रणबीर हों, बेटी राहा हो या सास नीतू सिंह क्यों ना हों। सासू मां और राहा तो मेरी जान हैं। स्पेशली सासू मां से मैंने सीखा कि जिंदगी में चाहे कितने ही उतार-चढ़ाव आ जाएं, हार नहीं माननी चाहिए और हमेशा पॉजिटिव सोच रखनी चाहिए। राहा से मैंने हमेशा खुश रहना सीखा है। जहां तक मेरे पति रणबीर की बात है तो वह मेरी जिंदगी का वो खूबसूरत एहसास हैं, जिनकी मैं शुरू से फैन थी। जहां वो पर्सनल लाइफ में शांत पति हैं, वहीं एक जिम्मेदार पिता भी हैं। हमारी बेटी राहा में तो उनकी जैसे जान ही बसती है।